हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, मंगलवार, 17 दिसंबर 2024 | अंक 65 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

संक्रांती के लिये विशेष
फॅन्सी काली साड़ियाँ
FANCY & EXCLUSIVE ROYAL
WEDDING COLLECTION
शालु, लाछा एवम् उत्कृष्ट
कलात्मक साड़ीयों का संग्रह
वैशाली
साड़ी शोरूम
सराफा बाजार, इतवारी नागपुर
समय :10.00 से 7.00 ■ रविवार बंद
9529081789, 9325112561

खबरें! एक नजर में!!

विजय दिवस पर सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने सोमवार को विजय दिवस के अवसर पर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, विजय दिवस पर कृतज्ञ राष्ट्र हमारे बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है जिनकी कहानियां हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी रहेंगी। पीएम मोदी ने कहा, आज विजय दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के साहस और बलिदान का सम्मान करते हैं।

सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन द्वारा दायर मानहानि शिकायत में बीजेपी की सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी किया। जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने उनके खिलाफ दीवानी मानहानि का मामला भी दायर किया है। इस मामले की सुनवाई 20 दिसंबर को सुबह 11 बजे तय की।

बालोद में भीषण सड़क दुर्घटना, 6 की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में भीषण सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना आज सुबह डोंडी थाना क्षेत्र के अंतर्गत भानुप्रतापपुर-दल्लीराजहरा मार्ग पर चौरापावड़ के पास हुई। जानकारी के मुताबिक एक ट्रक ने विपरीत दिशा से आ रही एसयूवी कार को टक्कर मार दी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए।

तुर्की में फंसे 400 यात्री दो दिन बाद भारत पहुंचे

नई दिल्ली। तुर्की के शहर इस्तांबुल से 400 यात्री आखिरकार भारत आ गए हैं। सभी 400 यात्री गुरुवार शाम से वहां फंसे हुए थे। यात्रियों को दो अलग अलग विमानों से भारत लाया गया है। इनमें से एक विमान 200 यात्रियों को लेकर मुंबई तो दूसरा विमान दिल्ली पहुंची। हवाईअड्डे पहुंचे यात्रियों के परिजन भी काफी खुश थे। 12 दिसंबर को इस्तांबुल से 400 यात्रियों को इंडिगो की 6ई12 से नई दिल्ली तो 6ई18 से मुंबई पहुंचना था।

चेन्नई में खुला देश का पहला मधुमेह बायोबैंक

चेन्नई। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मद्रास मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के सहयोग से चेन्नई में देश का पहला मधुमेह बायोबैंक स्थापित किया है जो जनसंख्या-आधारित जैविक नमूनों का एक संग्रह है। एमडीआरएफ में स्थापित बायोबैंक का उद्देश्य आईसीएमआर की अनुमति से वैज्ञानिक अध्ययनों में सहायता के लिए जैव नमूनों को इकट्ठा करना, संसाधित करना, संग्रहित करना और वितरित करना है।

बिटकॉइन की कीमत 1.6 लाख डॉलर के पार

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन की कीमत 1 लाख 6 हजार डॉलर के पार पहुंच गई है। इंडियन करेंसी में इसकी वैल्यू 89 लाख रुपये से ज़्यादा है। फिलहाल एक बिटकॉइन की कीमत 89,92,568 रुपये है। इस तेजी का मुख्य कारण डोनाल्ड ट्रम्प का एक बयान है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया है कि वह अमेरिका के लिए एक बिटकॉइन रिजर्व बनाने की योजना बना रहे हैं, जो तेल रिजर्व की तरह होगा।

यौन उत्पीड़न की घटनाओं को नहीं किया जा रहा दर्ज

नई दिल्ली।

> महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की मांग > सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक खास याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। दरअसल, याचिका में समाज में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों तथा उनसे संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की।

याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट वुमन लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद यौन हिंसा की करीब 95 घटनाएं हुई हैं, लेकिन इन्हें उजागर नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देशों की तरह अपराधियों को रासायनिक नपुंसक बनाने जैसी सजाएं मिलनी चाहिए। पीठ ने कहा कि वह याचिका में उल्लेख किए गए कई अनुरोधों को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वे बर्बर और भयावह हैं, लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो बहुत नए हैं और उनकी जांच की आवश्यकता है।

न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में उचित व्यवहार बनाए रखने का सवाल विचार करने लायक मुद्दों में से एक है और बसों, मेट्रो और ट्रेनों में किसी को कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक इस्तेमाल किए जाने वाले वाहनों में क्या करें और क्या न करें इसका प्रचार करने की जरूरत है। पीठ ने कहा, 'सार्वजनिक परिवहन में उचित सामाजिक व्यवहार के बारे में न सिर्फ शिक्षा दी जानी चाहिए, बल्कि इसे सख्ती से लागू करने की जरूरत है क्योंकि एयरलाइनों में भी कुछ अनुचित घटनाएं सामने आई हैं।'

पवानी ने बताया कि सोमवार को 2012 के भयावह निर्भया मामले की बरसी है, जहां एक 23 साल की महिला फिजियोथेरेपी इंटर्न के साथ बस में सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और उस पर हमला किया गया था।

बाद में पीड़िता की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि हालांकि कई मामलों में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। कड़े कानून और दंड का भी प्रावधान भी हैं, मगर क्या उन्हें लागू किया जा रहा है

पीठ का केंद्र को निर्देश

इस पर पीठ ने कहा कि हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है कि नियम लागू होने में क्या कुछ कमी रह जा रही है। अदालत ने निर्देश दिया कि मंत्रालयों और उनके संबंधित विभागों को अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के माध्यम से नोटिस जारी किया जाए।

2012 में निर्भया केस हुआ था

16 दिसंबर 2012 को दिल्ली में 6 लोगों ने निर्भया के साथ गैंगरेप किया था। हालत गंभीर होने पर 27 दिसंबर को निर्भया को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया जहां 29 दिसंबर को सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। निर्भया के 6 में से चार दोषियों को फांसी दी गई थी। वहीं एक ने तिहाड़ जेल में ही आत्महत्या कर ली थी। इसके अलावा आरजी कर हॉस्पिटल की इमरजेंसी बिल्डिंग के सेमिनार हॉल में 9 अगस्त की सुबह 31 साल की ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। वह नाइट ड्यूटी पर थी। डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट, आंखों और मुंह से खून बह रहा था। उसकी गर्दन की हड्डी भी टूटी हुई पाई गई थी।

सुको ने पहले भी गाइडलाइंस जारी की थी

महिला सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले भी कई मामलों में गाइडलाइंस जारी कर चुका है। हाल ही में जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी गवर्नमेंट ऑफिस में पॉश (प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरेसमेंट) एक्ट के तहत इंटरनल कमिटी बनाने समेत कई निर्देश दिए थे।

दिल्ली की सीमाएं सील करेंगे किसान

नई दिल्ली।

> ट्रैक्टर मार्च में सरकार को दी चेतावनी

हरियाणा में किसान नेताओं के आह्वान पर सोमवार को अलग-अलग इलाकों में किसानों का ट्रैक्टर मार्च निकाला। यह मार्च खनौरी बॉर्डर पर बैठे आंदोलनरत किसानों के समर्थन में था। ट्रैक्टर मार्च में किसानों ने सरकार को चेतावनी दी कि वह मांगें मान लें वरना एक आह्वान पर हरियाणा का किसान दिल्ली की सीमाएं सील कर देगा। इन किसानों ने खनौरी बॉर्डर पर पिछले 21 दिन से आमरण अनशन पर बैठे पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को पूर्ण समर्थन देने का ऐलान किया।

किसान आंदोलन पार्ट 1 को जब किसान नेताओं ने स्थगित किया था तो कुछ मांगों पर सरकार और किसानों के बीच में सहमति बन गई थी। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग प्रमुख थी. लेकिन इस साल किसान आंदोलन पार्ट 2 में नजारा कुछ और दिख रहा है। दरअसल, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए पंजाब से आए किसानों ने दिल्ली कूच का ऐलान किया तो हरियाणा पुलिस ने उन्हें हरियाणा की सीमाओं पर ही रोक डाला।

इसी क्रम में सोमवार को हरियाणा के सोनीपत जिले के खरखोदा में किसानों ने ट्रैक्टर मार्च निकाला। अभी तक किसान आंदोलन का असर हरियाणा में दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने जैसे ही आमरण अनशन शुरू किया तो हरियाणा के किसान भी आंदोलन का हिस्सा बन गए। किसान नेताओं ने सीधी चेतावनी दी कि अगर पंजाब की सीमाओं की तरह हमें भी दिल्ली की सीमाएं सील करने का मौका मिला तो हम पीछे नहीं हटेंगे। युवा किसान नेता प्रवीण दहिया और अन्य किसान नेता ने बताया कि किसान संगठनों के आह्वान पर खरखोदा में ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। यह ट्रैक्टर मार्च रोहणा चौक से लेकर एसडीएम कार्यालय तक गया। किसान नेताओं ने कहा, हमारी मांगें स्पष्ट है कि सरकार किसानों को दिल्ली आने दे। ट्रैक्टर मार्च में शामिल किसान नेताओं ने कहा, सरकार किसानों को भी बांटने का काम कर रही है। सरकार ने तो धर्म और जात-पात के नाम पर मतदाताओं को बांट दिया। हरियाणा और पंजाब का किसान एक है और अगर हमें आदेश मिला तो जब तक सरकार को कानों कान खबर नहीं होगी, हम दिल्ली को सील कर देंगे।

सबरीमाला मंदिर के खजाने में जबरदस्त बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। मंडल काल की शुरुआत के बाद से केरल के सबरीमाला मंदिर के आय में भारी वृद्धि हुई है। पिछले साल के आय की तुलना में इस साल 22.76 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। त्रावणकोर देवासम बोर्ड के अध्यक्ष पीएस प्रशांत ने बताया कि 14 दिसंबर तक 22 लाख अयप्पा भक्तों ने सबरीमाला मंदिर के दर्शन किए। इस साल मंदिर में 163.89 करोड़ रुपये का कुल राजस्व आया है। अरावना (प्रसाद) की बिक्री से 82.67 करोड़ रुपये और समान की बिक्री के रूप में 52.27 करोड़ रुपये मंदिर कमेटी को प्राप्त हुए। अरावना की बिक्री से राजस्व पिछले साल के 65.26 करोड़ रुपये से 17.41 करोड़ रुपये बढ़ गया है, जबकि पिछले साल के मुकाबले समान के बिक्री के पैसों में 8.35 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई हैं। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल में अब तक 22,67,956 तीर्थयात्री सबरीमाला के दर्शन कर चुके हैं. जिससे मंदिर को कुल 163.89 करोड़ का राजस्व मिला है।

संसद में सीतारमण-खड़गे के बीच जमकर बहस

नई दिल्ली।

राज्यसभा में सोमवार को संविधान पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच जमकर तकरार हुआ। वित्त मंत्री ने कहा- कांग्रेस पार्टी परिवार और वंशवाद की मदद करने के लिए बेशर्मी से संविधान में संशोधन करती रही। ये सत्ता में बैठे लोगों की रक्षा के लिए किया गया था।

इस पर खड़गे ने कहा, 'जो लोग तिरंगे, अशोक चक्र और संविधान से नफरत करते थे, वे आज शिक्षा दे रहे हैं। जब संविधान बना, तो इन लोगों ने इसे जला दिया था। जिस दिन संविधान अपनाया गया था, इन्होंने रामलीला मैदान दिल्ली में बाबासाहब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी के पुतले जलाए थे। आरएसएस के नेता संविधान का विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं है।' खड़गे ने कहा, 'वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से ग्रेजुएट हैं। मैंने म्यूनिसिपल स्कूल से पढ़ाई की है, लेकिन संविधान हमने भी थोड़ा-बहुत पढ़ा है। निर्मला जी की अंग्रेजी और हिन्दी अच्छी होगी, लेकिन उनके कर्म अच्छे नहीं हैं।'

खड़गे ने कहा, पीएम मोदी की स्पीच सुनी। कहते हैं हमारी बातें जुमले वाली हैं। अरे सबसे बड़े झूठे तो आप हो। आपका 15 लाख रुपए देने का वादा क्या हुआ। शाह जी के पास बहुत बड़ी वॉशिंग मशीन है। उसमें आदमी जाता है क्लीन होकर आता है। हमारे कई नेता उधर गए, जीवन भर हमारे साथ रहे। अब हमें ही सुनाते हैं। 70 सालों में जो हुआ, उसी की वजह से आप डॉक्टर, इंजीनियर बने। मोदी पीएम बने, मैं लेबर का बेटा नेता प्रतिपक्ष बना। आप खुद को तीस मारखां मत समझिए। ये नेहरू जी की देन है।

वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, कांग्रेस जीएसटी को 'गब्बर सिंह टैक्स' कहती है। कांग्रेस ने दशकों तक पुराने संसद भवन के मध्य में बाबासाहब आंबेडकर की तस्वीर नहीं लगने दी, उन्हें भारत रत्न से वंचित रखा गया। मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी दोनों को 1949 में जेल भेजा गया था। क्योंकि इन लोगों ने नेहरू के खिलाफ कविता सुनाई थी।

संसद में जारी है संविधान पर चर्चा

बस्तर में बड़े धमाके की साजिश

> आईईडी के साथ 13 नक्सली अरेस्ट

रायपुर।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच बस्तर में नक्सली बड़ा हमला करने की तैयारी में थे। आईईडी और विस्फोटक लेकर घूम रहे थे। पुलिस ने नक्सलियों की साजिश को नाकाम कर दिया है। सुकमा के इलाके में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 13 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।

इन नक्सलियों ने कई राज खोले हैं। अमित शाह दो दिनों से बस्तर में हैं। इनके दौरे के बीच बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। सोमवार को सुकमा जिले में पुलिस ने फिर से 13 नक्सलियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से पुलिस ने आईईडी सहित बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामान बरामद किए हैं।

पुलिस ने जब इनसे पूछताछ की तो राज खोल दिया। गिरफ्तार नक्सलियों ने बताया कि पुलिस को बताया कि कैम्प से निकलने वाले सुरक्षाबलों के आने-जाने वाले संभावित मार्गों में नुकसान पहुंचाने की नीयत से विस्फोटक सामान से आईईडी लगाने की योजना बनाए हुए थे। लेकिन समय रहते पुलिस और सुरक्षाबलों ने इसकी साजिश को नाकाम कर दिया. चिंतलनार क्षेत्र के कैम्प गड़गड़मेटा से सीआरपीएफ 223 , थाना चिन्तलनार से 74 वाहिनी जिला बल की संयुक्त पार्टी एरिया डोमिनेशन के लिए निकली हुई थी। मुकरम नाला जंगल के पास कुछ संदिग्ध लोग पुलिस पार्टी को देख कर नक्सली भागने लगे।

आमरण अनशन करेंगे मनोज जरांगे

मुंबई। मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने एक बार फिर से आंदोलन करने का ऐलान किया है। इस बार उन्होंने सामूहिक आमरण अनशन पर बैठने का ऐलान किया है। जरांगे ने बताया कि वह मंगलवार की सुबह 11 बजे अंतरवाली सराती में सामूहिक आमरण अनशन पर बैठने की तारीख की घोषणा करेंगे। जरांगे ने सोमवार को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर जाने की योजना की घोषणा की। जरांगे ने कहा कि वह मंगलवार को अपनी भूख हड़ताल की तारीख का खुलासा करेंगे।

आज 'एक देश, एक चुनाव' बिल पेश होने की संभावना

> बीजेपी ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी के एक फैसले ने देश में हलचल बढ़ा दी है। बीजेपी ने आज अपने सभी सांसदों को लोकसभा में मौजूद रहने के लिए कहा है। पार्टी ने इसके लिए व्हीप जारी किया है। भाजपा ने अपने सांसदों को व्हिप जारी किया है और आज लोकसभा में रहने का व्हिप जारी किया गया है। कल लोकसभा में 'एक देश,एक चुनाव' बिल पेश होना है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल यह बिल पेश करेंगे। आज दोपहर 12 बजे अर्जुन मेघवाल लोकसभा में बिल पेश करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार इस बिल आम सहमति बनाना चाहती हैं। लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा। इसके बाद जेपीसी इस बिल पर सभी पार्टियों के नेताओं से चर्चा करेगी। इसके अलावा सभी राज्यों की विधानसभाओं के स्पीकर और देशभर के बुद्धिजीवियों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को भी इस प्रोसेस में शामिल कर उनकी राय ली जाएगी।

वन नेशन वन इलेक्शन की गठित कमेटी ने कई संवैधानिक बदलावों का सुझाव दिया है, इनमें से ज्यादातर में राज्यों की विधानसभाओं के सहमति की जरूरत नहीं है। इसके अलावा कुछ संवैधानिक बदलावों के लिए बिलों को संसद में पास कराना जरूरी होगा। वहीं सिंगल इलेक्टोरल रोल और सिंगल वोटर आईडी कार्ड के लिए आधे से ज्यादा राज्यों की मंजूरी जरूरी होगी। ऐसी संभावना है कि कोविंद कमेटी की रिपोर्ट लॉ कमीशन के सामने प्रस्तुत की जाए। वहीं कुछ सूत्रों का कहना है कि लॉ कमीशन 2029 में लोकसभा, विधानसभा, स्थानीय निकायों और पंचायत चुनाव एक साथ कराने का सुझाव दे सकता है।

क्या है वन नेशन वन इलेक्शन

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन का मतलब है कि पूरे देश में एकसाथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हों। 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एकसाथ ही हुए थे, लेकिन इसके बाद राज्यों में सियासी संकट के चलते विधानसभाएं समय से पहले भंग हो गईं।

ड्रग्स लेना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं है

नई दिल्ली।

> सुप्रीम कोर्ट ने युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति पर जताई चिंता

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के युवाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताई। इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने युवाओं को ड्रग्स के इस्तेमाल को लेकर चेतावनी भी जारी की. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ड्रग्स लेना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने युवाओं से इस प्रकार की चुनौतियों से निपटने की अपील की।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सोमवार को ड्रग्स तस्करी के आरोपी अंकुश विपन कपूर के खिलाफ एनआईए जांच की मंजूरी दे दी। इसी मामले सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की। बता दें कि अंकुश पर आरोप है कि वह पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते भारत में होने वाली हेरोइन तस्करी में शामिल है।

मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने युवाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि, 'ड्रग्स इस्तेमाल के सामाजिक और आर्थिक खतरों के साथ ही मानसिक खतरे भी हैं। इससे देश के युवा वर्ग की चमक खो सकती है।' पीठ ने युवाओं में बढ़ रही नशे की लत के खिलाफ तुरंत सामूहिक कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। इसी के साथ शीर्ष कोर्ट ने कहा कि माता-पिता, समाज और सरकारों से मिलकर इस समस्या के खिलाफ लड़ना चाहिए।

इसी के साथ पीठ ने समस्याओं से भागने वाले रवैये पर भी चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, इस गंभीर खतरे के खिलाफ सभी को एकजुट होना पड़ेगा। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि खासकर युवाओं से इस चुनौती से निपटने के लिए कोशिश करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि, नशे के शिकार व्यक्ति के साथ सहानुभूति और प्यार से पेश आने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि ड्रग तस्करों की कमाई पर प्रहार करने की जरूरत है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ड्रग्स का महिमामंडन बंद होना चाहिए। साथ ही इसके खतरों के प्रति युवाओं को जागरुक भी किया जाना चाहिए।

तेजी से बढ़ रही नशे की लत

सुप्रीम कोर्ट ने देश के युवाओं में बढ़ रही नशे की लत पर चिंता जाहिर की। पीठ ने कहा कि, 'ड्रग्स का असर उम्र, जाति और धर्म से परे हैं और इसके पूरे समाज और व्यवस्था पर गंभीर परिणाम होते हैं।' जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि, 'ड्रग्स से होने वाली कमाई से ही आतंकवाद और समाज को अस्थिर करने के लिए फंडिंग की जाती है।'

लाखों मोबाइल नंबर हुए ब्लॉक

नई दिल्ली।

> सरकार ने 80 लाख सिम किये बंद

साइबर क्राइम के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए सरकार ने 80 लाख सिम कार्ड बंद किए हैं। दूरसंचार विभाग के मुताबिक, बंद किए गए सिम कार्ड फर्जी डॉक्यूमेंट्स के आधार पर जारी किए गए थे। सरकार ने एएआई टूल का इस्तेमाल करते हुए इन फर्जी सिम कार्ड को ब्लॉक कर दिया है। इसके अलावा साइबर क्राइम में लिप्त 6.78 लाख मोबाइल नंबर भी बंद किए गए हैं।

दूरसंचार नियामक और दूरसंचार विभाग ने बढ़ते साइबर क्राइम के खिलाफ एक बार फिर से बड़ी कार्रवाई की है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने 78.33 लाख मोबाइल नंबर को बंद कर दिया है। ये मोबाइल नंबर फर्जी डॉक्यमेंट्स के आधार पर लोगों को जारी किए गए थे। दूरसंचार विभाग द्वारा इंप्लिमेंट किए गए नए एएआई टूल की मदद से इन फर्जी नंबरों की पहचान की गई और उनके खिलाफ एक्शन लिया गया। यही नहीं, सरकार ने साइबर क्राइम में लिप्त 6.78 लाख मोबाइल नंबर को भी बंद कर दिया है। दूरसंचार विभाग ने अपने आधाकारिक एक्स हैंडल से इस बात की जानकारी दी है। वहीं, केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एक इवेंट में बोलते हुए कहा कि गृह मंत्रालय के साथ मिलकर दूरसंचार विभाग ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 जारी किया है। इस नंबर पर की गई शिकायत के आधार पर 10 लाख लोगों के 3.5 हजार करोड़ रुपये सरकार ने बचाए हैं।

ट्राई की नई पॉलिसी : ट्राई (टीआरएआई) ने अगस्त में साइबर क्राइम को रोकने के लिए नए नियम लागू करने की घोषणा की है। दूरसंचार नियामक ने टेलीकॉम ऑपरेटर्स को फर्जी कॉल्स और मैसेज पर लगाम लगाने के लिए नई गाइडलाइंस जारी की, जिसे 1 अक्तूबर 2024 से लागू कर दिया गया। इसके अलावा मैसेज ट्रेसेबिलिटी का नियम भी 11 दिसंबर 2024 से लागू हो गया है।

रिटेल के बाद थोक महंगाई में भी बड़ी राहत

3 महीने में सबसे कम

नई दिल्ली.

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक महंगाई नवंबर में तीन महीने के निचले स्तर 1.89 फीसदी पर आ गई, जो अक्टूबर में 2.36 फीसदी थी, क्योंकि खाद्य पदार्थों, विशेष रूप से सब्जियों और प्याज की कीमतों में तेजी से गिरावट आई. पिछले साल नवंबर में थोक महंगाई 0.39 फीसदी थी. इससे पहले रिटेल महंगाई के आंकड़े आए थे. जिसमें आम लोगों को राहत मिली थी. और आंकड़े 6 फीसदी से नीचे आ गए थे. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर थोक महंगाई किस लेवल पर पहुंच गई है. कॉमर्स और इंडस्ट्री मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि नवंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई घटकर 8.63 फीसदी हो गई, जबकि अक्टूबर में यह 13.54 फीसदी थी. इसका कारण सब्जियों की कीमतों में गिरावट रही, जो अक्टूबर में 63.04 फीसदी के मुकाबले 28.57 प्रतिशत गिर गई. प्याज की कीमतों में भी तेजी के साथ कम हुई है और महीने के दौरान 2.85 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है. फ्यूल और बिजली में नवंबर में 5.83 फीसदी की गिरावट देखी गई, जबकि अक्टूबर में यह 5.79 प्रतिशत थी. मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कैटेगिरी में महंगाई नवंबर में बढ़कर 2 प्रतिशत हो गई, जो अक्टूबर में 1.50 प्रतिशत थी. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि नवंबर 2024 में महंगाई में गिरावट का प्रमुख कारण खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों, दूसरे मैन्युफैक्चरिंग, कपड़ा, मशीनरी और उपकरण आदि की कीमतों में इजाफा के कारण है.

पॉलिसी रेट में कटौती की उम्मीद

पिछले सप्ताह की शुरुआत में, रिटेल महंगाई के आंकड़े सामने आए थे. ये रिटेल महंगाई के आंकड़े आरबीआई के टॉलरेंस लेवल यानी 6 फीसदी से नीचे देखने को मिले. जबकि अक्टूबर महीने में रिटेल महंगाई 14 महीने के हाई यानी 6.21 फीसदी पर पहुंच गई थी. जोकि नवंबर के महीने में ये डाटा 5.48 फीसदी पर आ गया. इन आंकड़ों के बाद फरवरी की पॉलिसी मीटिंग में पॉलिसी रेट में कटौती की उम्मीद जगी है. इस महीने की शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), जो मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से रिटेल महंगाई पर विचार करता है, ने लगातार 11वीं बार अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में बेंचमार्क ब्याज दर या रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा.

'उमेद अभियान' से उद्यमी महिलाओं के सपनों को मिलेगी नई उड़ान

एसबीआई फाउंडेशन ने किया महिलाओं को मिलेगी सहायक निधि

नई दिल्ली. ग्रामीण महिलाओं के सपनों को उड़ान देने के उद्देश्य से 'उमेद अभियान' और एसबीआई फाउंडेशन एक नई शुरुआत कर रहे हैं. पहली बार, महिला स्वयं सहायता समूह की उद्यमी महिलाओं को लेकर एक अनोखा टीवी शो 'घे भरारी - मला पंख मिळाले' इस शो के माध्यम से महाराष्ट्र की ग्रामीण महिलाओं को उनके हक का नया मंच मिलेगा। महिलाओं का जीवन अक्सर घर, चूल्हा और बच्चों की जिम्मेदारियों के इर्द-गिर्द घूमता है, लेकिन बदलते समय में महिलाएं इन सभी जिम्मेदारियों को संभालते हुए अपने पैरों पर मजबूती से खड़ी हो रही हैं। इसके बावजूद, उन्हें प्रोत्साहन और सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। 'घे भरारी - मला पंख मिळाले' ऐसा ही एक शो है, जो 70 लाख महिलाओं को प्रेरित करेगा। इस अभियान ने 39 महिलाओं को चुना है, जिनकी सफलता की कहानियां अन्य महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेंगी। इस शो में महिलाओं को उनके व्यवसाय के लिए आवश्यक पूंजी और निधि एसबीआई फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाएगी। साथ ही, महिला उद्यमियों को अनघा घैसास, विशाल सोलासकर और राहुल पायल जैसे विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिलेगा। महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका अभियान के मुख्य अधिकारी रुचेश जयवंशी इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा, "हर ग्रामीण महिला को अपने सपनों को साकार करने का मौका मिलना चाहिए। हमारा उद्देश्य 70 लाख महिलाओं तक पहुंचना और उन्हें उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। यह कार्यक्रम राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। कार्यक्रम की मेजबानी अभिनेत्री श्रेया बुगडे करेंगी। उन्होंने कहा, "ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को अक्सर अपने सपनों को पूरा करने के लिए सही मार्गदर्शन और प्रेरणा नहीं मिलती। लेकिन इस शो के माध्यम से वे अपनी क्षमता पहचानेंगी और स्वावलंबी बनेंगी। मैं इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं, जहां मैं इन महिलाओं की प्रेरणादायक कहानियां सुनने और उनसे बातचीत करने का मौका पाऊंगी।

रूस से कच्चे तेल का आयात निचले स्तर पर

नई दिल्ली. छूट में कटौती के बाद भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर, 2024 में घटकर करीब ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया। इसके बावजूद रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इसके बाद इराक व सऊदी अरब का स्थान है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने रिपोर्ट में कहा, नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55 फीसदी की भारी गिरावट आई। यह जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने चीन ने सबसे ज्यादा 47फीसदी कच्चा तेल रूस से खरीदा। उसके बाद भारत ने 37फीसदी कच्चे तेल का आयात किया। यूरोपीय संघ व तुर्किये ने क्रमशः 6-6 फीसदी कच्चे तेल की खरीदारी की।

फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद एक फीसदी से कम होती थी, जो बढ़कर 40फीसदी पर पहुंच गई। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के लिए 2 दिसंबर तक 7.15 करोड़ से अधिक ग्राहक नामांकन करा चुके हैं। इस योजना को वित्त मंत्रालय ने हाल ही में मील का पत्थर घोषित किया था। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अटल पेंशन योजना 7 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित कर रही है। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्तूबर) के दौरान 4.2 फीसदी बढ़कर 16.24 करोड़ टन पर पहुंच गया है।

इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कोयला आयात 15.58 करोड़ टन रहा था। बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में कोयला आयात 14.4 फीसदी घटकर 2.18 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.55 करोड़ टन रहा था। हिंदुजा समूह जनवरी के अंत तक पूरा कर सकती है रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल (आर-कैप) का अगले महीने तक अधिग्रहण पूरा कर सकती है। समूह का लक्ष्य अगले पांच साल में बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) कारोबार को तीन गुना से अधिक बढ़ाकर 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है।

संविधान 75 वर्षों में समय की कसौटी पर खरा उतरा

राज्यसभा में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत का संविधान पिछले 75 वर्षों में समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा कि इसी समय के आसपास अपने संविधान तैयार करने वाले 50 देशों में से अधिकांश देशों ने अपने संविधानों को या तो फिर से लिखा या उनमें बदलाव किया। राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, "जैसा कि हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मुझे लगता है कि यह समय है कि हम ऐसे भारत के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें जो इस पवित्र दस्तावेज में निहित भावना को कायम रखे।" वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में संविधान के 75 वर्ष पर हो रही चर्चा पर बोलते हुए ये बातें कही। वित्त मंत्री ने कहा कि उद्योग जगत को कुशल जनशक्ति के लिए दुनिया भर की सरकारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

संविधान पर बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने इतिहास में अपनी कुर्सी बचाने के लिए संविधान में संशोधन किए। वित्त मंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस के लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करते हैं, पर उन्हें याद करना चाहिए कि किसी के खिलाफ में महज कविता पढ़ने के कारण 1949 में मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी जैसे सिनेमा के दिग्गजों को जेल भेज दिया गया था।

राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, बलराज साहनी दोनों को 1949 में जेल भेजा गया था। 1949 में मिल मजदूरों के लिए आयोजित एक बैठक के दौरान, मजरूह सुल्तानपुरी ने जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ लिखी गई एक कविता सुनाई और इसलिए उन्हें जेल जाना पड़ा। उन्होंने इसके लिए माफ़ी मांगने से इनकार कर दिया और उन्हें जेल जाना पड़ा... अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कम करने का कांग्रेस का रिकॉर्ड इन दो लोगों तक ही सीमित नहीं था। 1975 में माइकल एडवर्ड्स की लिखी गई राजनीतिक जीवनी "नेहरू" पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने "किस्सा कुर्सी का" नामक एक फिल्म पर भी प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेटे पर सवाल उठाए गए थे.

यूरोप जाना होगा और आसान

नई दिल्ली. एयर इंडिया ने 2025 के लिए अपने इंटरनेशनल नेटवर्क में बड़े बदलावों की तैयारी में है. अब एयर इंडिया अपने विमान 350 और 777 को और यूरोप के प्रमुख शहरों में भेजेगी. इन बदलावों से यात्रियों को बेहतर उड़ान का स्केड्यूल मिलेगा. इसके साथ ही दिल्ली और मुंबई से अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच यात्रा करना और भी आसान होगा. एयर इंडिया दिल्ली और बैंकॉक के बीच अपने रेट्रोफिटेड विमान लगाएगी. इस विमान में इकोनॉमी, प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास की नई सीटिंग होगी. यात्रा के दौरान मुफ्त वाई-फाई आधारित इन फ्लाइट एंटरटेनमेंट भी मिलेगा. इसके अलावा 01 जनवरी 2025 से दिल्ली और बैंकॉक के बीच चौथी दैनिक सेवा शुरू की जाएगी. एयर इंडिया ने यह भी बताया कि दिल्ली-फ्रैंकफर्ट, मुंबई-फ्रैंकफर्ट, दिल्ली-सिंगापुर और मुंबई-सिंगापुर मार्गों पर नए विमानों की तैनाती की जाएगी. इन विमानों में नई पीढ़ी के केबिन होंगे. इनमें बिजनेस क्लास में फ्लैट बेड और प्रीमियम इकोनॉमी की भी सुविधा होगी. इससे यात्रियों को दिन और रात दोनों समय उड़ान भरने की सुविधा मिलेगी.

बिटकॉइन ने रचा दिया इतिहास

नई दिल्ली. क्रिप्टोकरेंसी बाजार में आज का दिन ऐतिहासिक रहा. दुनिया की सबसे बड़ी और लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने पहली बार 1 लाख डॉलर का आंकड़ा पार किया. शुरुआती कारोबार में बिटकॉइन की कीमत 1,06,000 डॉलर तक पहुंच गई, जो भारतीय रुपये में लगभग 90 लाख रुपये के बराबर है.

इस अभूतपूर्व तेजी के साथ ही बिटकॉइन का मार्केट कैप 2.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया. मार्केट कैप के मामले में बिटकॉइन, गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट से केवल 10 फीसदी पीछे है, जिसका मौजूदा मार्केट कैप 2.332 ट्रिलियन डॉलर है बिटकॉइन की कीमत में इस तेजी का मुख्य कारण अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप का एक बयान माना जा रहा है. दरअसल, उन्होंने संकेत दिया है कि अमेरिका में ऑयल रिजर्व की तरह बिटकॉइन रिजर्व बनाने की योजना पर विचार किया जा सकता है. क्रिप्टोकरेंसी के प्रति ट्रंप के समर्थन ने बिटकॉइन और अन्य डिजिटल मुद्राओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है. चुनावी अभियान के दौरान उन्होंने अमेरिका को दुनिया की "क्रिप्टो कैपिटल" बनाने का संकल्प लिया था.

कई भारतीय कंपनियों ने अमेरिका से वापस मंगाई दवाएं

नई दिल्ली.

दवा निर्माता अरबिंदो फार्मा, ग्लेनमार्क और जायडस ने उत्पादन संबंधी खामियों के कारण अमेरिकी बाजार से अपने उत्पादों को वापस मंगाया है। अमेरिकी खाद्य व औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद स्थित दवा निर्माता की अनुषंगी कंपनी अरबिंदो फार्मा यूएसए इंक सिनाकैल्सेट गोलियों की एक लाख से अधिक बोतलें वापस मंगा रही है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा, न्यू जर्सी स्थित कंपनी ने उत्पाद को जीएमपी डेविएशन: एन-नाइट्रोसो सिनाकैल्सेट अशुद्धता की एफडीए के मानक से अधिक उपस्थिति के कारण वापस मंगाया है। सिनाकैल्सेट टैबलेट का इस्तेमाल हाइपरपैराथायरायडिज्म के इलाज के लिए किया जाता है। इसी तरह, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स की एक अमेरिकी अनुषंगी कंपनी अमेरिकी बाजार से डिल्टियाजेम हाइड्रोक्लोराइड कैप्सूल की लगभग 90,000 बोतलें वापस मंगा रही है। यूएसएफडीए ने कहा कि जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक लेबलिंग त्रुटि के कारण विलंबित-रिलीज ओरल सस्पेंशन (40 मिलीग्राम) के लिए एसोमेप्राजोल मैग्नीशियम के 4,404 डिब्बे वापस बुला रहा है। इस दवा का उपयोग पेट की कुछ समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता है। कंपनी ने 14 नवंबर को प्रभावित डिब्बों को देश भर में वापस मंगाने की पहल की थी।

7 टोल प्लाजा होंगे फ्री

नई दिल्ली. अगर आप भी अपनी गाड़ी से सफर करते हैं तो ये खबर आपके काम की साबित हो सकती है. दरअसल, एक शहर से दूसरे शहर में जाने के लिए अक्सर आपको टोल प्लाजा से होकर गुजरना पड़ता है. इन टोल पर सबसे ज्यादा जो चीज खलती है वो है इनके एंट्री के लिए लगने वाली फीस. लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है. दरअसल, अब यूपी के 7 टोल प्लाजा फ्री होने वाले हैं यानी यहां से गुजरने के लिए आपको एक रुपए भी खर्च करने की कोई जरुरत नहीं है. यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार जल्द एंट्री के 7 टोल प्लाजा को फ्री कर देगी और यहां से गुजरने वालों से एक भी पैसा नहीं वसूला जाएगा. यह 7 टोल बूथ अलग-अलग जिलों के हैं, जिन पर हर रोज कई हजार लोग गुजरते हैं. यूपी सरकार यह फैसला प्रयागराज में जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ के मद्देनजर लेने वाली है. यूपी सरकार ने ऐलान किया है कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज तक जाने वाले सभी टोल बूथ को फ्री कर दिया जाएगा.

प्लेटिनम लव बैंड्स से अपना कमिटमेंट प्रदर्शित करें

नई दिल्ली. कड़कड़ाती ठंड ने हवा में रोमांस की लहर दौड़ा दी है, और युगलों के लिए अपना कमिटमेंट दिखाने का मंच तैयार कर दिया है। शादियों की धूम और एनिवर्सरी मनाने की तैयारियाँ हो रही हैं, जिससे प्रदर्शित होता है कि चाहे किसी रूप में हो, हर जगह वातावरण प्यार समाया हुआ है। युगल अपने स्वाभाविक प्यार के साथ एक दूसरे के मिजाज और गलतियों को अपना रहे हैं। वो मिलकर डर और संदेह से आगे बढ़ रहे हैं, और एक ऐसे भविष्य में प्रवेश कर रहे हैं, जो प्यार की शक्ति द्वारा लिखा गया है। इन महत्वपूर्ण लम्हों में केवल एक मैटल है, जो इस दुर्लभ और बहुमूल्य प्यार की गहराई को प्रतिबिंबित कर सकता है, और वह है, प्लेटिनम क्योंकि यह मैटल भी उतना ही दुर्लभ और बहुमूल्य है। प्लेटिनम का जन्म सितारों में हुआ और लगभग 2 बिलियन साल पहले यह एक उल्का द्वारा धरती पर लाया गया। यह दुर्लभ मैटल दुनिया में बहुत कम स्थानों पर पाया जाता है, और सोने से 30 गुना ज्यादा दुर्लभ है। इस बहुत कठोर मैटल है, जो न तो अपना रूप खोता है, और न ही अपनी प्राकृतिक सफेद चमक। इसलिए यह दुर्लभ प्यार की दृढ़ता और निरंतरता को प्रतिबिंबित करता है। जिस प्रकार प्लेटिनम कभी अपनी चमक कम नहीं होने देता, वैसे ही जिस प्यार का यह प्रतिनिधित्व करता है, वह भी अटूट और शाश्वत है। 95 प्रतिशत शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम से बने प्लेटिनम लव बैंड्स केवल आभूषण ही नहीं हैं, बल्कि वो प्यार का प्रतीक हैं।

ये लव बैंड्स आधुनिक संबंधों को प्रदर्शित करते हैं। एक दूसरे के व्यक्तित्व को अपनाते हैं, पारस्परिक सफलताओं की खुशी मनाते हैं, और जीवन के दायित्वों को साझा करते हैं। इनकी बेहतरीन संरचनाएं, फ्लुड लाईन और हर बैंड के खूबसूरत मोटिफ इन सिद्धांतों को आत्मसात करते हैं। चाहे मिनिमलिस्ट और चिक स्टाईल हो या फिर कालातीत सौंदर्य, प्लेटिनम लव बैंड्स का विस्तृत संग्रह प्यार के लिए समर्पित युगलों के दिलों में उतर जाता है।

अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिक अपील के साथ प्लेटिनम आज के डिज़ाईन ट्रेंड्स को अद्वितीय आभूषणों में उतार रहा है, जो आपकी व्यक्तिगत प्रेम कहानी का वर्णन करने के लिए उपयुक्त हैं। प्लेटिनम लव बैंड्स चुनकर आप प्यार का ऐसा प्रतीक चुनते हैं, जो पारंपरिकता के साथ आधुनिकता का मेल कराता है। यह आपके प्यार के पूरे सफर में सदैव खूबसूरत बना रहने के लिए डिज़ाईन किया गया है। अपने संबंधों के महत्वपूर्ण लम्हों की यादें संजोने और अपने रिश्ते के स्थायी प्रतीक के रूप में अपने प्यार की अटलता को प्रदर्शित होने दें.

किसानों को जल्द मिलेगी राहत

नई दिल्ली.

किसानों का आरक्षण पत्र जारी

❑ प्राधिकरण ने कहा कि उसने 38 गांवों में 5,437 किसानों को आरक्षण पत्र जारी किए हैं, जहां उसने पूर्व में जमीन का अधिग्रहण किया था. इसमें से यीडा ने किसानों के 2640 भूखंडों की रजिस्ट्री की अनुमति दे दी है. नियमों के अनुसार, प्राधिकरण पहले प्रत्येक किसान की पात्रता की पुष्टि करता है, और फिर आवंटन पत्र जारी करता है और फिर भूखंड का लीज डीड देता है. अधिकारियों ने कहा कि लीज डीड के साथ, किसान इस भूखंड का मालिक बन जाता है और उसे अपने पक्ष में स्पष्ट स्वामित्व मिल जाता है.

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के किसानों को जल्द ही राहत मिलने वाली है. यीडा ने रविवार को कहा है कि उसने किसानों को भूखंडों के आवंटन में तेजी लानी शुरू कर दी है. इस कदम का उद्देश्य गुस्से में आए किसानों को शांत करना है. किसान लगातार अपने परिवारों के लिए आवासीय भूखंडों के आवंटन में देरी के लिए यीडा को दोषी ठहरा रहे हैं. नियमों के मुताबिक, यीडा किसानों को आवासीय सुविधाओं के लिए अधिग्रहीत कुल जमीन का 7 फीसदी हिस्सा देती है.

आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर यीडा ने किसानों की राहत के लिए कौन सी बात कही है. प्राधिकरण ने कहा कि उन्होंने पहले ही निलोनी शाहपुर में किसानों को 481 भूखंड और रोनिजा गांव क्षेत्र में किसानों को 300 भूखंड आवंटित कर दिए हैं, जहां प्राधिकरण ने पहले सड़कों और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए भूमि का अधिग्रहण किया था. प्राधिकरण ने यीडा के विशेष कार्याधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली समिति की मौजूदगी में इन किसानों को आवंटन पत्र जारी किये थे.

शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि हमने निर्धारित नियमों का पालन करते हुए पात्र किसानों को ये भूखंड आवंटित किए हैं. हम अगले दो महीनों में शेष किसानों को भूखंड आवंटित कर देंगे. इससे संबंधित औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं. प्राधिकरण इन भूखंडों की रजिस्ट्री की अनुमति देने के लिए भी गंभीर है ताकि किसान अपने घर बना सकें और इन संपत्तियों का उपयोग अपनी जरूरतों के अनुसार कर सकें.

निकाल — महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सह्याद्री — धनलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर सोमवार • सोडत क्रमांक 51 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 16/12/2024

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- : SL-06 : 2244

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- : 4679

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- : 1605 (किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली) | 1645 (श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई) | 3110 (श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई)

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1089	2288	3299	3793	5155
1488	2290	3337	3834	5357
1619	2463	3406	4041	5397
1768	2700	3431	4377	5594
1878	2928	3501	4794	5596
2052	2999	3517	4864	5684
2282	3034	3753	4955	5831
2284	3144	3755	5008	5930

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 21/12/2024 — जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹ 5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिकीट किंमत ₹200/-

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

महाराष्ट्र सह्याद्री धनलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 16/12/2024

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र सागरलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दर सोमवारी — तिकीट किंमत रु. 50/- — सोडत क्र. 51 — सोडत दिनांक 16/12/2024

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख : SL-04 : 1042

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- : पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी 1042 — किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली / श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	2214	2336	2439	2718	3649	4933
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1628	2729	5165	5316	6669	6827
चौथे बक्षिस रु. 500/-	1457	1941	2081	3582	5733	6306
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	1718	3225	3388	4730	6142	6312

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)		1766	2229	2620	3073	3538	3949	4425	4874	5424	5677	6087	6651
		1771	2231	2657	3088	3543	3960	4437	4884	5475	5684	6139	6654
1001	1280	1779	2233	2688	3089	3583	3973	4441	4887	5478	5700	6150	6663
1012	1286	1795	2238	2702	3099	3587	3978	4442	4893	5495	5705	6159	6669
1018	1315	1804	2240	2709	3113	3592	3988	4447	4909	5502	5711	6190	6676
1037	1316	1815	2250	2727	3131	3609	3993	4452	4911	5504	5712	6224	6679
1047	1321	1816	2254	2732	3133	3611	4004	4453	4937	5505	5743	6226	6682
1053	1330	1823	2256	2767	3174	3638	4020	4456	4945	5509	5753	6227	6694
1088	1349	1857	2257	2774	3186	3650	4035	4458	4947	5514	5759	6268	6701
1091	1353	1888	2258	2778	3191	3664	4043	4470	4987	5517	5767	6269	6709
1098	1359	1889	2259	2789	3199	3666	4044	4476	4996	5528	5770	6271	6710
1108	1370	1897	2264	2792	3203	3667	4045	4477	5000	5534	5771	6301	6755
1111	1381	1912	2282	2804	3208	3685	4054	4480	5005	5538	5780	6334	6762
1112	1391	1971	2289	2807	3222	3723	4065	4487	5017	5540	5792	6343	6763
1117	1408	1972	2292	2818	3230	3724	4083	4546	5029	5542	5802	6358	6765
1120	1417	1984	2293	2822	3238	3733	4120	4547	5033	5544	5812	6365	6767
1121	1442	1997	2294	2824	3241	3737	4124	4549	5048	5545	5814	6366	6769
1122	1444	2001	2299	2826	3255	3743	4149	4556	5051	5547	5839	6397	6776
1130	1461	2002	2301	2827	3293	3756	4150	4619	5075	5550	5840	6451	6783
1148	1464	2008	2321	2830	3311	3773	4174	4640	5080	5554	5845	6460	6796
1151	1471	2011	2324	2876	3317	3777	4204	4645	5095	5557	5851	6474	6804
1153	1472	2040	2332	2883	3325	3778	4207	4689	5169	5561	5852	6486	6806
1156	1519	2051	2375	2897	3333	3811	4220	4694	5179	5566	5853	6497	6835
1157	1523	2052	2412	2929	3340	3830	4224	4708	5184	5571	5856	6518	6842
1159	1554	2060	2416	2939	3347	3835	4245	4715	5199	5579	5857	6522	6867
1164	1567	2068	2426	2942	3350	3838	4254	4741	5215	5585	5862	6532	6881
1181	1620	2098	2433	2949	3360	3843	4258	4744	5240	5592	5869	6536	6896
1193	1621	2128	2447	2962	3379	3849	4301	4749	5241	5602	5922	6554	6906
1196	1656	2147	2448	2966	3381	3863	4308	4774	5301	5604	5927	6561	6932
1208	1691	2152	2454	2969	3389	3875	4342	4789	5348	5628	5950	6565	6939
1212	1697	2164	2470	2992	3392	3893	4366	4805	5352	5647	5956	6573	6947
1215	1701	2200	2510	3000	3393	3900	4378	4807	5363	5648	5983	6596	6958
1246	1712	2201	2524	3004	3395	3921	4389	4808	5365	5655	5995	6600	6962
1259	1728	2217	2561	3007	3478	3932	4397	4824	5386	5658	6060	6635	6970
1262	1731	2219	2601	3019	3519	3942	4418	4840	5402	5665	6066	6640	6988
1279	1740	2222	2602	3038	3533	3943	4422	4845	5408	5670	6074	6647	6997

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — MAHARASHTRA NATAL NEW YEAR BUMPER DRAW — सोडत दिनांक 03-01-2025 — जिंका फक्त 4 अंकावर — मालिका 10 — पहिले सामायिक हमीपात्र बक्षिस ₹ 50 लाख (₹ 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹ 10 लाख (₹ 10,000 X 100 बक्षिसे) — नव वर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा

सागरलक्ष्मी — सोडत दिनांक 16/12/2024 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी

ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

शिवसेना ने फिर थामा हिंदुत्व का झंडा

चुनाव में बुरी हार से सीख

मुंबई.

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार मिली। यह हार उद्धव सेना के लिए अब तक की सबसे शर्मनाक हार थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि हिंदुत्व के एजेंडे पर बनी और आगे बढ़ी पार्टी ने इस चुनाव में हिंदुत्व को ही छोड़ दिया इसलिए उद्धव को बुरी हार का सामना करना पड़ा। लगातार आलोचनाओं के बाद अब उद्धव ठाकरे ने अपने मूल हिंदुत्व एजेंडे पर लौटने के संकेत दिए हैं। पार्टी ने पड़ोसी देश बांग्लादेश में अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद वहां हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के लिए केंद्र पर कड़ा हमला किया था। अब वह मुंबई के दादर स्टेशन के बाहर स्थित 80 साल

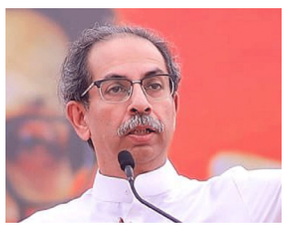

पुराने हनुमान मंदिर की रक्षा के लिए आगे आई है।

दादर के हनुमान मंदिर को ध्वस्त करने का बीएमसी ने नोटिस जारी किया है। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने हिंदुत्व के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को घेरने की अपनी मंशा का संकेत देते हुए मंदिर में 'महा आरती' की।

इससे पहले 6 दिसंबर को पार्टी ने कुछ सहयोगियों की नाराजगी तब बढ़ा दी। उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी और विधान परिषद के सदस्य(एमएलसी) मिलिंद नार्वेकर ने सोशल मीडिया मंच पर बाबरी मस्जिद विध्वंस की एक तस्वीर साझा की और साथ ही शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का यह आक्रामक कथन भी पोस्ट किया था। इसमें लिखा था,'मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने यह किया।' दावा है कि अयोध्या में मस्जिद को 6 दिसंबर 1992 को कार सेवकों ने ध्वस्त कर दिया था। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों और पर्यवेक्षकों का कहना है कि नार्वेकर ने पार्टी नेतृत्व की जानकारी के बिना संदेश साझा नहीं किया होगा। उद्धव ठाकरे ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर केंद्र सरकार पर हमला किया था। उन्होंने पूछा था कि पड़ोसी देश में समुदाय की सुरक्षा के लिए भारत ने क्या कदम उठाए हैं।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि ये कदम शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) की नीति में एक और बदलाव का संकेत है जिसने 2019 में अपने लंबे समय की सहयोगी भाजपा से नाता तोड़ लिया था और कांग्रेस और एनसीपी के साथ हाथ मिला लिया, लेकिन अपने 'मराठी मानुस' (भूमि पुत्र) के नारे पर कायम रही।

अबू आजमी ने बनाई दूरी

इस कदम से असहज समाजवादी पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष अबू आजमी ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) से अलग हो रही है। एमवीए में उद्धव ठाकरे की शिवसेना के अलावा कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) भी शामिल है।

मुंबई में घुड़दौड़ के घोड़ों का बचाव

मुंबई. पेटा इंडियन ने शिकायत की थी कि मुंबई में अवैध रेसिंग के लिए घोड़ों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस शिकायत के आधार पर, विक्रोली की 50वीं न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) अदालत ने ईस्टर्न एक्सप्रेसवे पर अवैध घोड़ा गाड़ी दौड़ में इस्तेमाल किए गए बारह घोड़ों को बरी कर दिया।

कुछ दिन पहले सुबह 3 से 4 बजे के बीच जब्त किए गए घोड़े ईस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर दौड़ लगा रहे थे. इस रेस की शुरुआत घाटकोपर ईस्ट से की गई थी. जांच में पता चला कि वह आगे विक्रोली की ओर चली गई थी. दौड़ का ऑडियो फुटेज भी सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। इस ऑडियो टेप में कई बाइक सवारों के साथ 6 से 8 घोड़ा गाड़ी वाले भी दिख रहे थे.

पेटा इंडिया की शिकायत के बाद, पंतनगर पुलिस स्टेशन ने अज्ञात आयोजकों, घोड़ा गाड़ी चालकों और इसमें शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 125, 281 और 291 और धारा 11(के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की। 1) पशु क्रूरता निवारण अधिनियम (पीसीए) 1960 की।) रिपोर्ट की गई। इसके बाद हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से इन घोड़ों की पहचान की गई. इसके बाद पेटा इंडिया की मदद से सभी बारह घोड़ों को जब्त कर लिया गया।

SHREE SAINATH COLLEGE OF PHARMACY
46, Sai Valley, Dawalamethi, Amravati Road, Nagpur-440023
Mob.No.8262927415
University College Code :259, DTE Code:4209
Approved by PCI & DTE ; Affiliated to RTM Nagpur University, Nagpur

Admission Notification Against CAP Vacancy for First Year Bachelor of Pharmacy - 2024-25

Applications are invited from eligible candidates for admission to First Year Bachelor of Pharmacy for the session 2024-25

SCHEDULE	DATE
Availability of application forms	18/12/2024 upto 5 p.m.
Submission of duly filled application forms	19/12/2024 upto 5 p.m.
Display of final Merit List	20/12/2024
Admission as per merit list	20/12/2024 to 23/12/2024 upto 3 p.m.

Admission will be made as per directives issued by DTE, Maharashtra
Principal

MAHARASHTRA INSTITUTE OF PHARMACY
(D.Pharm.,B.Pharm.) (DTE CODE : 4278)
Chougan Phata, Betala, Bramhapuri, Dist. Chandrapur, (M.S.)-441206.

MAHARASHTRA COLLEGE OF PHARMACY
(D.Pharm.,B.Pharm.) (DTE CODE : 4664)
Amgaon Road, Khamari (Gondia), Ta. Gondia, Dist. Gondia, (M.S.)-441601.

AGAINST CAP QUOTA ADMISSION SCHEDULE FOR B. PHARM. 1st YEAR 2024-25
Application are invited for seeking admission to above Course for vacancy if any after CAP

ADMISSION PROCEDURE & SCHEDULE

Eligibility B.Pharm. - HSC (10+2) Passed in Science Stream with Physics, Chemistry, Biology or Mathematics and English or equivalent examination & MHT-CET or NEET exam-2024.

Sr. No.	Activities	Date
1.	Date of Commencement of sale & Acceptance of Application form	18/12/2024 to 19/12/2024 from 10.30am to 5.30pm
2.	Date of Display of Provisional Merit List	20/12/2024 by 11:00 am
3.	Last Date of Receipt of grievance about the Merit List	20/12/2024 Up to 05:00 pm
4.	Last Date of Displaying the Final Merit List	21/12/2024 by 05:00 pm
5.	Reporting Date & Time for admission as per Merit list to the institute.	22/12/2024 to 23/12/2024 from 10.30am to 5.30pm

Admission will be made according to DTE, Mumbai (M.S.) Principal
Contact No: 9158983913, 8551822027, 8888212266
SPECTRUM

NAAC ACCREDITED B+
MAHARASHTRA INSTITUTE OF PHARMACY
(D.Pharm., B.Pharm., M.Pharm., A.D.M.L.T.) (DTE CODE : 4643)
Chougan Phata, Betala, Bramhapuri, Distt. Chandrapur, (M.S.)-441206.

AGAINST CAP QUOTA ADMISSION SCHEDULE FOR B. PHARM. 1st YEAR & M. PHARM. 1st YEAR 2024-25
(M.Pharm. - Pharmaceutical Quality Assurance, Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry Regulatory Affairs)
Application are invited for seeking admission to above Course for vacancy if any after CAP

ADMISSION PROCEDURE & SCHEDULE

Eligibility B.Pharm. - HSC (10+2) Passed in Science Stream with Physics, Chemistry, Biology or Mathematics and English or equivalent examination & MHT-CET or NEET exam-2024.
M.Pharm. -B. PHARMACY Passed & GPAT Appeared -2023 to 2024

Sr. No.	Activities	Date
1.	Date of Commencement of sale & Acceptance of Application form	18/12/2024 to 19/12/2024 from 10.30am to 5.30pm
2.	Date of Display of Provisional Merit List	20/12/2024 by 11:00 am
3.	Last Date of Receipt of grievance about the Merit List	20/12/2024 Up to 05:00 pm
4.	Last Date of Displaying the Final Merit List	21/12/2024 by 05:00 pm
5.	Reporting Date & Time for admission as per Merit list to the institute.	22/12/2024 to 23/12/2024 from 10.30am to 5.30pm

Admission will be made according to DTE, Mumbai (M.S.) Principal
Contact No. 9158983913, 8788986464
SPECTRUM

संपत्ति कर बकाया के लिए अभय योजना

> ग्रामीण क्षेत्रों को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है

कल्याण. कल्याण डोंबिवली मनपा प्रशासन ने संपत्ति कर और जल बकाया के लिए अभय योजना को दो चरणों में लागू करने का निर्णय लिया है. इस योजना में यदि संपत्ति कर दाता द्वारा चालू वर्ष का पानी बिल, कर बकाया निर्धारित समय के भीतर नगर निगम के खजाने में भुगतान कर दिया जाता है, तो उस राशि पर जुर्माना और ब्याज माफ कर दिया जाएगा।नगर आयुक्त डॉ. यह योजना इंदुरानी जाखड़, अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड, अतिरिक्त आयुक्त योगेश गोडसे, संपत्ति कर उपायुक्त स्वाति देशपांडे के नियंत्रण में क्रियान्वित की जाएगी। अभय योजना के अनुसार, यदि संपत्ति कर दाता चालू वर्ष के कर और जल बिल की मांग की पूरी राशि 14 दिसंबर से 15 जनवरी 2025 तक नगर निगम के खजाने में एकमुश्त भुगतान करता है, तो संबंधित कर दाता को जुर्माना और ब्याज देना होगा। शत-प्रतिशत माफ किया जाए।

अभय योजना के दूसरे चरण में 16 जनवरी से 31 जनवरी 2025 की अवधि के दौरान महाराष्ट्र प्रांतीय अधिनियम 41, 25 के तहत जुर्माना और ब्याज लगने पर चालू वर्ष के कर और पानी की मांग की पूरी राशि के साथ-साथ संपूर्ण बकाया राशि माफ कर दी जाएगी। नियम 50 के तहत जब्ती वारंट जारी करने के शुल्क का एक प्रतिशत नगर पालिका को एकमुश्त भुगतान किया जाता है, जुर्माना का 75 प्रतिशत माफ कर दिया जाएगा।

पुल से कूदकर युवती ने की आत्महत्या

डोंबिवली. 'मोबाइल को ज्यादा मत देखो. 15 साल की नाबालिग लड़की ने दस दिन पहले मोगागांव के मनकोली पुल से नाले में कूदकर आत्महत्या कर ली थी. इस लड़की का शव शनिवार को मोगागांव खाड़ी में मिला था. नाबालिग लड़की अपने माता-पिता के साथ डोंबिवली पश्चिम के उमेशनगर इलाके में रहती थी। लड़की के पिता सब्जी बेचने का व्यवसाय करते हैं। लड़की स्कूल में पढ़ती थी. बेटी के हाथ में मोबाइल फोन देखकर मां को भी मोबाइल फोन को ज्यादा नहीं देखना चाहिए। पांच दिसंबर को दोपहर में लड़की को पढ़ाई पर ध्यान देने की हिदायत दी गयी. उसे लड़की पर गुस्सा आ गया.

वह बिना कुछ बताए घर से निकल गई। परिवार को शक था कि वह किसी दोस्त के साथ बाहर गई होगी. दोपहर को निकली किशोरी शाम होने के बाद भी घर नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। वह कहीं नहीं मिली.

लड़की के लापता होने पर लड़की के पिता ने विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के अनुसार, विष्णुनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय पवार, पुलिस उप-निरीक्षक जी. बी। देवारे ने तुरंत मामले की जांच शुरू कर दी. तभी पुलिस को सूचना मिली कि मोगागांव के मनकोली पुल से एक लड़की ने कूदकर आत्महत्या कर ली है. पुलिस ने एक खाड़ी जहाज़ में लड़की का पता लगाने की कोशिश की। वह नहीं मिली. पिछले शनिवार को पुलिस को सूचना मिली कि बच्ची का शव मघागांव खाड़ी इलाके में बहकर आया है. पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मौके पर लड़की के परिजनों को बुलाया गया, परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृत लड़की उनकी है.

अडानी के खिलाफ याचिका दायर करने वाले को झटका

> याचिकाकर्ता पर लगा जुर्माना

मुंबई.

बंबई उच्च न्यायालय ने अडानी ग्रुप को बड़ी राहत दी है। राज्य में बिजली ठेके के खिलाफ दायर याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया और इसे तथ्यहीन बताया है। साथ ही याचिकाकर्ता पर निराधार आरोप लगाने के लिए कोर्ट ने जुर्माना भी ठोका है। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को नवीकरणीय और तापीय बिजली आपूर्ति के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा अडानी समूह को ठेका देने के खिलाफ दायर एक याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि इस याचिका के पीछे कोई आधार नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता श्रीराज नागेश्वर एपुरवार पर अस्पष्ट याचिका के लिए 50,000 रुपये की लागत भी लगाई। एपुरवार ने आरोप लगाया था कि 6,600 मेगावाट नवीकरणीय और तापीय बिजली आपूर्ति के लिए अडानी समूह को दिए गए ठेके से याचिकाकर्ता तक उचित दर पर उचित बिजली आपूर्ति के उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है।

दलीलों को स्वीकार करने से किया इनकार

पीठ ने हालांकि दलीलों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और कहा कि "हमारी राय में, निराधार और लापरवाही से भरे बयानों वाली ऐसी याचिकाएं दायर करने से कभी-कभी अच्छे इरादे से किये जाने वाले काम को भी नुकसान होने का जोखिम रहता है।"

याचिका में राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, जो वर्तमान में उपमुख्यमंत्री हैं, पर अडानी समूह को ठेका देने के दौरान भ्रष्ट आचरण में शामिल होने का आरोप भी लगाया गया था। बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में अस्पष्ट और निराधार दावे किए गए थे कि ठेका देने में सरकारी अधिकारियों ने घोटाला किया। अदालत ने याचिकाकर्ता को जुर्माने के तौर पर महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में 50,000 रुपये जमा करने का निर्देश दिया।

कार्यालय गट ग्रामपंचायत-हुडकेश्वर (खुर्द)
(धामणा, किरणापूर व कन्हाळगायं)
पंचायत समिती नागपूर, जि. नागपूर (महाराष्ट्र)

जावक. क्र. **दिनांक:17/12/2024**

मालमत्ता फेरफार बाबत जाहीरनामा

याद्वारे सूचित करण्यात येते कि, खालील मालमत्ता धारकांनी या कार्यालयात मालमत्ता रेकोर्डवरून नावात फेरफार करणेकरिता विक्रीपत्र/विक्रीकरारनामा दस्तावेज नुसार अर्ज केलेला आहे. ग्रामपंचायत येथे करण्यात येत असलेल्या खालील फेरफारवर काही आक्षेप किंवा हरकत घ्यावयाचे असतील त्यांनी प्रसिद्धी दिनांकापासून सात (७) दिवसाचे आत आपल्या हरकती मूळ दस्तावेजासह लेखी स्वरुपात ग्रामपंचायतला सादर कराव्यात. मुदतीनंतर येणारे आक्षेपांचा विचार करण्यात येणार नाही याची नोंद घ्यावी. दि.१७/१२/२०२४ ते २४/१२/२०२४ पर्यंत.

अ.क्र.	गावाचे नाव	प.ह.नं.	खसरा क्र.	प्लॉट क्र.	क्षेत्रफळ	रेकोर्डवरून खारीज करावयाचे नाव	रेकोर्डवर दाखल करावयाचे नाव	दस्तऐवज क्र.	दस्तावेज आधार
1	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	23/1,23/2	6	645.84	सोपान वामन काकडे	सुमन उदयशंकर ओझा	3273-2009	विक्रीपत्र
2	धामणा	36	39/2	2	1710	कुसुम अरविंद तायडे	किशोर श्यामराव पडोळे	01807-2004	विक्रीपत्र
3	किरणापूर	38	48	44	980	पवन महेंद्र बोकडे अशीद	अहमद खान पठाण	9191-2024	विक्रीपत्र
4	कन्हाळगाव	38	41/1	20	1468.2	महाकाळकर डेवलपर्स	शरद लक्ष्मण शेंडे	3662-2019	विक्रीपत्र
5	किरणापूर	38	8/3.	7	1184.03	रोशन गंगाधर नागपुरे व इतर	शेषराव दौलतराव मोहर्ले	7667-2020	विक्रीपात्रचा करारनामा
6	किरणापूर	38	2/1,2/2,2/3,3/1	118	1070.79	वास्तू विहार	सुजित भिवाजी शेंडे	4304-2007	विक्रीपत्र
7	किरणापूर	38	2/1,2/2,2/3,3/1	279	819.4	गणेश सुधाकर जोहरी	जिजा सुधाकर जोहरी	5813-2024	विक्रीपत्र बक्षीस पत्र
8	किरणापूर	38	2/1,2/2,2/3,3/1	279/1	819.4	धर्मपाल गंगाधर जगझापे	रमा गंगाधर जगझापे	5812-2024	विक्रीपत्र बक्षीस पत्र
9	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	79A/3	5	1468	दत्तात्रय गृहनिर्माण सहकारी	वनिता दत्तुजी फटिंग	3021-2014	विक्रीपात्रचा करारनामा
10	हुडकेश्वर (खुर्द)	38	79A/3	4	1566.91	दत्तात्रय गृहनिर्माण सहकारी	वनिता दत्तुजी फटिंग	3021-2014	विक्रीपात्रचा करारनामा
11	हुडकेश्वर (खुर्द)	38	86/1	11	1482.63	खंडू कृष्णा मसराम व इतर	प्रभाकर भगवतराव कमाने	13191-2019	विक्रीपत्र
12	धामणा	36	32/1	104	4000	गननाम गृनिर्माण सोसायटी	मंगला रामराव घोडेस्वार	2006	विक्रीपत्र
13	धामणा	36	32/1	103	1500	गननाम गृनिर्माण सोसायटी	मंगला रामराव घोडेस्वार		विक्रीपत्र
14	हुडकेश्वर (खुर्द)	38	60/1	61	1765.5	नितीन विनायक सवाने	सुशांत सुधाकर मोहीले	10326-2022	विक्रीपत्र
15	धामणा	36	42	37	957	रोशन गंगाधर नागपुरे व इतर	नितेश वृंदावन वैद्य	653-2021	विक्रीपात्रचा करारनामा
16	धामणा	36	42	37/1	957	रोशन गंगाधर नागपुरे व इतर	सचिन दत्तुजी खंडाळ	651-2021	विक्रीपत्र
17	धामणा	36	55	71	1436.4	जय गुरुदेव बिल्डर्स डेवलपर्स	श्वेता अविनाश कदम	4249-2024	विक्रीपत्र
18	धामणा	36	55	70	1436.4	जय गुरुदेव बिल्डर्स डेवलपर्स	प्रीती राजेश ताम्रकर	4197-2024	विक्रीपत्र
19	हुडकेश्वर (खुर्द)	38	85/D	17	1571.54	सय्यद अबरार अली सय्यद अली	अंजली जयंत पीळलवार व इतर	1703-2022	विक्रीपत्र
20	धामणा	36	3/2.	6/1.	2000	प्रवीण रोशन बनोदे व इतर	सचिन रोशन बनोदे	6532-2024	विक्रीपत्र
21	धामणा	36	2/2.	2/1.	3498.19	प्रवीण रोशन बनोदे व इतर	सचिन रोशन बनोदे	6531-2024	विक्रीपत्र
22	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	69	47	1646	महलक्ष्मि डेवलपर्स नागपूर	किरण सणवर अग्रवाल	2790-2008	विक्रीपत्र
23	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	69	48	1646	महलक्ष्मि डेवलपर्स नागपूर	पवन बसंतलालजी अग्रवाल	2791-2009	विक्रीपत्र
24	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	69	46	1646	महलक्ष्मि डेवलपर्स नागपूर	सनवर बसंतलाल अग्रवाल	2772-2009	विक्रीपत्र
25	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	6b	31	1653.75	यशस्वीभव डेवलपर्स	राजू बाजीरावजी लांभाडे	717-2024	विक्रीपत्र
26	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	6b	35	1000	यशस्वीभव डेवलपर्स	अर्जुन दादा ठाकरे	718-2024	विक्रीपत्र
27	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	13	17	1200	यशस्वीभव डेवलपर्स	सीताबाई तुकाराम घुमे व इतर	6158-2024	विक्रीपत्र
28	किरणापूर	38	30	41	1800	सप्तशृंगी डेवलपर्स	चंद्रकांत सावलदास मुखी	7710-2024	विक्रीपत्र
29	किरणापूर	38	30	40	1800	सप्तशृंगी डेवलपर्स	द्रोपदी चंद्रकांत मुखी	7709-2025	विक्रीपत्र
30	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	91/1.91/2	36,37	1076	पुष्कर प्रमोद बिजवे	निखील दुर्गाप्रसाद जैस्वाल व इतर	13087-2023	विक्रीपत्र
31	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	65	94	836.25	सी.एच. किशोर कुमार	गुंजलता उमेश ठाकरे	7087-2024	विक्रीपत्र
32	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	48/1	15	11163.37	तेजराम चिंतामण सोनटक्के	महागुजी गोवर्धन	1323-2014	विक्रीपात्रचा करारनामा
33	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	48/1	17	968.76	तेजराम चिंतामण सोनटक्के	इंदू ईश्वरदास गणवीर	1321-2014	विक्रीपात्रचा करारनामा
34	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	60/1	31	1345.52	देवेंद्र प्रकाश देशमुख	विशाल बाबुराव देवाळकर	10345-2021	विक्रीपत्र
35	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	60/1	30	1345.52	देवेंद्र प्रकाश देशमुख	पवन विजयराव बोबडे	10344-2022	विक्रीपत्र
36	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	60/1	29	1262.94	देवेंद्र प्रकाश देशमुख	विजय भास्कर गोखरे	10346-2023	विक्रीपत्र
37	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	91/1,91/2	85	538	ओमप्रकाश राधाकिशन बनोदे	विनोद राउत	4734-2019	विक्रीपत्र
38	हुडकेश्वर (खुर्द)	37	91/1,91/2	86		ओमप्रकाश राधाकिशन बनोदे	प्रियंका प्रमोद दळवी	4733-2019	विक्रीपत्र

स्वा./-
सरपंच
मिना कमलाकर शेंडे

स्वा./-
सचिव
चंद्रकांत आनंदराव सोनेवाने

सुविचार

दुआएं वहां काम आती है जहां दवा भी असर नहीं करती सफलता तब मिलती है जब आपके सपने आपके बहाने से बड़े हो जाते हैं.

संपादकीय

महाराष्ट्र मंत्रिपरिषद को लेकर रहस्य बरकरार
नेहरू-सावरकर को घसीटना बंद करें

❒ लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट कर गई। इस बहस का भी एक बड़ा बिंदु आरक्षण ही रहा। जहां विपक्ष ने इन आरोपों को दोहराया कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है।

जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं की अपने अनुकूल गोलबंदी करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है।

तानाशाही एक और ऐसे बिंदु के रूप में उभरी, जिसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष के आरोप समान ही रहे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया कि वह अपनी मनमानी चलाते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाता रहा है। इस मामले में जहां कांग्रेस का फोकस पिछले दस सालों पर केंद्रित रहा, वहीं बीजेपी का पॉइंट यह था कि आजादी के बाद से 55 साल तक सत्ता एक ही परिवार के हाथों में रही। जाहिर है, सबसे ज्यादा नुकसान इसी परिवार ने किया। उनका संकेत गांधी परिवार की ओर था। इमरजेंसी का पुराना आरोप भी उछला, लेकिन नई बात यह रही कि इस पर बचाव की मुद्रा अपनाने के बजाय कांग्रेस इस तर्क के साथ सामने आई है कि बीजेपी को भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए।

बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे बीजेपी पर निशाना साधा वहीं पीएम मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं।

पूरी बहस का यही बिंदु ऐसा था जो थोड़ा जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति को बिना शर्त करना चाहिए।

महाराष्ट्र मंत्रिपरिषद को लेकर रहस्य बरकरार
शिंदे के बाद अजित पवार के अस्तित्व की लड़ाई

मृगांक शेखर

❒ महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार भी हो गया है. 39 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है. नागपुर में हुए शपथ ग्रहण समारोह में बीजेपी के हिस्से में 19 मंत्री पद, एकनाथ शिंदे के हिस्से में 11 और अजित पवार को 9 मंत्री पद मिले हैं. नंबर के हिसाब से देखा जाये तो अजित पवार को विधानसभा सीटों के अनुसार मंत्रालय मिले हैं, लेकिन महत्व के लिहाज से अजित पवार बाजी मारते नजर आ रहे हैं. एकनाथ शिंदे को उनके मनमाफिक विभाग नहीं मिल रहे हैं, लेकिन अजित पवार के हिस्से में उनका पसंदीदा वित्त मंत्रालय जरूर मिल रहा है - और ये बात दोनो ही नेताओं की गठबंधन में हैसियत का सबूत है. जिस तरह मंच पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, और दोनो डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और अजित पवार देखे गये, वो भी सत्ता समीकरण की असलियत बता रहे थे. साफ साफ देखने को मिल रहा था कि देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार जैसी करीबी एकनाथ शिंदे के साथ नहीं रह गई है. एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र की राजनीति में बुरी तरह घिर चुके हैं. उनकी स्थिति आगे कुआं, पीछे खाई जैसी हो गई है. ऐसा भी नहीं है कि उनके प्रदर्शन में कोई कमी आई है. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में लोकसभा से बेहतर नतीजे आये हैं, और जितने विधायकों के साथ जून, 2022 में बगावत किया था उसके मुकाबले अभी का नंबर ज्यादा ही है.

2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में शिवसेना को 56 सीटें मिली थी, और बंटवारे के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में उनके हिस्से वाली शिवसेना को 57 सीटें मिली हैं. देखा जाये तो जितने विधायकों के साथ शिवसेना में बगावत करके एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के सपोर्ट से सरकार बनाई थी, उससे ज्यादा विधायक अभी उनके साथ हैं. लेकिन, बीजेपी के 132 विधानसभा सीटें जीत लेने के कारण सारे समीकरण ही बदल गये हैं. अब तो हालत ये है कि एकनाथ शिंदे के लिए चाहकर भी पाला बदलना मुश्किल हो गया है.

एकनाथ शिंदे की मजबूरी ये हो गई है कि अब जो भी बीजेपी कहेगी उनको मानना ही होगा. पहले तो एकनाथ शिंदे फिर से महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री ही बनना चाहते थे, लेकिन बीजेपी नेता अमित शाह ने तो साफ साफ संकेत दे दिया कि वो चुनाव होने तक ही उस कुर्सी पर हैं. देवेंद्र फडणवीस भी कहने लगे थे कि नंबर से ही सरकार के नेतृत्व का फैसला होगा, और हुआ भी.

मुख्यमंत्री पद नहीं मिलने पर एकनाथ शिंदे चाहते थे कि कम से कम रेवेन्यू और गृह मंत्रालय उनको मिल जाये, लेकिन बीजेपी वो भी नहीं देने जा रही है. दोनो ही विभाग बीजेपी अपने पास रखना चाहती है. एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री रहते देवेंद्र फडणवीस के पास गृह मंत्रालय हुआ करता था, और अदलाबदली के तहत एकनाथ शिंदे भी अपने हिस्से में होम मिनिस्ट्री चाहते थे, लेकिन बीजेपी के लिए एकनाथ शिंदे की बातें मानना मजबूरी नहीं रह गई है.

व्यंग्य

दीनदयाल शर्मा

धन्य है बाल हठ!

समाज में तीन हठ विश्व प्रसिद्ध हैं -राज हठ, तिरिया हठ और बाल हठ। वैसे आज के इस बदलते परिवेश में और भी अनेक हठ शामिल किए जा सकते हैं। मसलन- अफसर हठ, कर्मचारी हठ, दुकानदार हठ, ग्राहक हठ, अतिथि हठ, मेजबान हठ, पड़ोसी हठ, प्रेमी हठ, प्रेमिका हठ, मकान मालिक हठ, किरायेदार हठ, संपादक हठ, लेखक हठ, पाठक हठ आदि-आदि। इन सभी हठों में बाल हठ सर्वोपरि है। हठ की प्रवृत्ति जन्मजात होती है और यही प्रवृत्ति उम्र के साथ-साथ बढ़ती रहती है।

हठ की इस प्रवृत्ति को खत्म तो नहीं किया जा सकता, लेकिन मनोवैज्ञानिक इसे अपने तरीके से कम करने के उपाय जरूर बता सकते हैं।'दिल तो बच्चा है ' किसी ने यूं ही थोड़े ही लिखा था। बच्चा यदि हठ कर लेता है तो उसके सामने तिरिया हठ और राज हठ भी पानी भरते हैं। एक बार क्या हुआ कि एक बच्चे ने हठ कर लिया कि उसे पढ़ना ही नहीं है, चाहे कोई कितनी ही कोशिश कर ले। उस बच्चे के अभिभावकों ने लाड़, प्यार, मार, दुलार आदि सभी प्रयास किए, लेकिन बच्चा था कि पढ़ने का नाम ही नहीं लेता। आखिर परेशान होकर अभिभावकों ने अखबार में विज्ञापन दिया कि यदि उसके बच्चे को कोई पढ़ा देगा तो उसे मुंह मांगी राशि दी जाएगी।विज्ञापन पढ़कर कई ट्यूशनधारी गुरुजी पहुंच गए।

एक गुरुजी से पांच हजार रुपये मासिक पर बच्चे की ट्यूशन तय हो गई। लेकिन अभिभावकों ने गुरुजी के सामने यह शर्त रखी कि बच्चे को भले ही किसी तरीके से पढ़ाया जाए लेकिन उसे पढ़ाया जाना चाहिए। गुरुजी बोले, 'ठीक है, मैं ट्यूशन आज से ही शुरू करता हूं।' फिर गुरुजी बोले, 'मैं इसे अपने तरीके पढ़ाऊंगा। आप मेरे द्वारा पढ़ाये गए तरीके पर किसी प्रकार की टिप्पणी नहीं करेंगे!' दोनों पक्षों की सहमति के बाद बच्चे को बुलाया गया। लगभग आधे घण्टे के अथक प्रयासों के बाद बच्चे को गुरुजी के सामने पेश किया गया। गुरुजी बच्चे के सिर पर बड़े प्यार से हाथ फेरते हुए बोले, 'बेटा, क्या नाम है आपका?' 'नहीं बताता।' बच्चा कंधे उचकाते हुए बोला।

तभी बच्चे की मम्मी बोली, ' जी, इसका नाम राजकुमार है लेकिन घर पर प्यार से इसे राजू कहते हैं।'बहुत प्यारा नाम है। हां तो राजू बेटा, पढ़ाई में तुम्हारा मन भी नहीं लगता और मेरा भी मन पढ़ने में नहीं लगता। क्या पढ़ें, कुछ समझ में ही नहीं आता। गुरुजी और मेडमें भी तो प्यार से नहीं पढ़ाती। और फिर कोर्स भी बोर सा है। कुछ नया तो है नहीं। सब कुछ बासी-बासी सा. है ना राजू। गुरुजी ने उसकी नजरें पढ़ते हुए पूछा राजू गुस्से से बोला, 'मेरे सामने पढ़ाई का नाम मत लो। पढ़ाई में मन क्यों नहीं लगता राजू बेटा?' गुरुजी ने पूछा। नहीं लगता, मैंने बोल दिया न। आप जाओ, मुझे नहीं पढ़ना।' राजू फिर गुस्से से बोला।'बेटा, मैं पढ़ाने नहीं आया हूं।

'फिर? 'मैं तो यूं ही आ गया बस मिलने। तुम्हें पढ़ाई बिलकुल भी अच्छी नहीं लगती तो कोई बात नहीं। अब तुम्हारी क्या इच्छा है? कुछ खाने को मन कर रहा है?' गुरुजी ने बड़े प्यार से राजू से पूछा।हां, संतरे खाने का मन कर रहा है, पास वाले बाग से। 'राजू मुस्कुराते हुए बोला। तभी गुरुजी खड़े होते हुए बोले, 'तो चलो, मैं तुम्हें खूब सारे संतरे खिलाऊंगा ताजे-ताजे, मीठे-मीठे.

बाल कहानी

आर.पी.सिंह

चिक से दोस्ती

❒ बंटी के घर पर एक चिड़िया आने लगी। ममी ने उसका नाम रखा 'चिक'। वह चिक के लिए दाना डालती एक छोटे से बर्तन में पानी पिलाती। चिक बड़ी खुशी से ममी के हाथ का डाला दाना चुगती, पानी पीती और फुर्र से उड़ जाती। एक दिन चिक एक चिड़े को साथ लेकर आई। ममी दोनों को देखकर बहुत खुश हुई। चिड़ा और चिड़िया दोनों चीं-चीं कर बतियाते और इधर-उधर फुदकते रहते। ममी दोनों को बहुत प्यार करती। बंटी भी की-कभी उन दोनों को निहारता और अपने हाथ से दाना खिलाता। एक दिन चिक तथा उसके साथी ने घोंसला बनाने की सोची।

वे दोनों दूर से छोटे-छोटे तिनके लाकर रोशनदान में घोंसला बनाने लगे। तिनके यदि फर्श पर गिर जाते तो वे फिर से उठाकर उन्हें रोशनदान में रख देते। एक दिन दो-चार तिनके फर्श पर पड़े रह गए। बंटी स्कूल से आया तो तिनके पड़े देखकर भड़क उठा। उसने ममी को पुकारा, ममी, यह चिड़िया की बच्ची यहां गंदगी फैला रही है। इन्हें बाहर भगाओ। बंटी ये हमारी दोस्त हैं। तू इनसे इतनी नफरत क्यों करता है? ममी ने उसे समझाया। नहीं ममी, ये मेरी दोस्त नहीं है। क्या दोस्त किसी दोस्त के घर गंदगी फैलाता है? तूं इन तिनकों को देखकर गुस्सा कर रहा है। ले अभी साफ कर देती हूं।ममी, यह फिर तिनके फेंककर कमरा गंदा कर देगी। तू इनसे इतना जलता क्यों है? ये गंदगी फैलाती है तो हमारा मन तो बहलाती है, फिर ये छोटे-छोटे पक्षी हमारे पर्यावरण की रक्षा भी करते हैं। यदि ये नहीं होंगे तो शत्रु कीट फसलों को ही चट कर जाएंगे और जहरीले कीड़े-मकोड़ों से तरह-तरह की बीमारियां फैलने लगेंगी। हमारा जीना दूभर हो जाएगा। कुछ नहीं ममी, इन्हें भगाओ यहां से। हम अपने आप निपट लेंगे कीड़े-मकोड़ों से। दुनिया भर की दवाइयां आ गई हैं कीड़े मारने के लिए।

आप नहीं भगाएंगी तो मैं स्वयं ही इन्हें भगा देता हूं। न रहेगा घोंसला और न रहेगी गंदगी. बंटी की जिद के आगे मां कुछ नहीं बोल पाई। चिड़िया ज्योंही तिनका लाकर घोंसला बनाने की कोशिश करती, बंटी उन तिनकों को बाहर फेंक देता। बेचारी चिड़िया घोंसला नहीं बना पाई और उसने बिना घोंसले ही रोशनदान में अंडा दे दिया। अंडा गोल होने के कारण लुढ़ककर फर्श पर गिरा और टूट गया। चिड़िया वीरान आंखों से अंडे के टुकड़ों को निहार रही थी. यह देखकर बंटी बोला, ममी ये पेड़ों पर घोंसला क्यों नहीं बनाती?

कहानी

अजय गोयल

कंपनी बहादुर

❍ यह सिलसिला पिछले तीन-चार वर्ष से चल रहा था। अपनी वर्षगाँठ के दिन डॉ. रघुनाथ शहर छोड़ देते। नर्सिंग होम भूलकर सपरिवार अपने गणपति फॉर्म हाउस चले आते। धोती, कुर्ता और जनेऊ धारणकर दिन भर के लिए अपने स्वर्गीय पिता की प्रतिमूर्ति बन जाते। उनकी पत्नी शकुन्तला भी बढ़-चढ़कर साथ देती। सूती धोती पहनती। माँग में अन्य दिनों से थोड़ा ज़्यादा सिन्दूर भरती। माथे पर बड़ी-सी बिन्दी बनाती जो दो-तीन घंटे यज्ञ अग्नि से तप और पसीने में भीग पुच्छल तारे जैसी आकृति में आ जाती है। सूर्योदय के साथ यज्ञ आरम्भ हो जाता तो गोदान व वस्त्रदान के साथ सम्पन्न होता। इसके बाद कुटुम्ब ने उनके पैरों की धूल आशीर्वाद के रूप में अपने-अपने माथे पर लगाते। जीते-जीते अपनों के लिए एक चमत्कार बन चुके डॉ. रघुनाथ एक गाँव के गरीब परिवार में जन्में थे। उनका अक्षरज्ञान तख़्ती पर शुरू हुआ था। फटी टाट पट्टी पर बैठकर खुले आकाश के नीचे और बिना ब्लैक बोर्ड की क्लास से यात्रा शुरू कर नर्सिंग होम और फ़ॉर्म हाउस तक आ पहुँचे थे। आगे बढ़ने की यात्रा के लिए फ़्लोरी-कल्चर के पंख लगाकर विदेशों से डॉलर चुग लाने की तैयारी कर रहे थे। इसके लिए उन्होंने गाँव में हाईस्कूल के भवन निर्माण योजना का बलिदान कर दिया था। पिता की स्मृति में यह सब कर डॉक्टर साहब जन्मभूमि के ऋण से मुक्त हो जाना चाहते थे।यज्ञ के बाद अपने भूले-बिसरे टीसते संकल्पों के साथ डॉ. रघुनाथ फॉर्म हाउस के द्वार पर आ खड़े होते। हर आने वाले का स्वागत गुड़-जल से करते और अन्दर उनका परिवार लड्डू-कचौरी का सहभोज अपनी निगरानी में कराता। शाम उतरती तो डॉक्टर साहब सधे गले से निकले स्वरों में उछल-कूद करती राग-रागनियों के साथ दिन विदा करते। या कभी नरसीजी का भात सुनते। पर उस दिन भागीरथ बने उनके चेहरे पर बसन्त ठाठे मार रहा होता। इस बार के सान्ध्य कार्यक्रम में परिवर्तन था।

पिछले वर्ष की एक छोटी-सी दुर्घटना ने डॉ. रघुनाथ को सोचने के लिए मजबूर कर दिया था, जिसके कारण उन्होंने अपने आपको सपनों तक में नंगा महसूस किया था। उनकी खुली आँखों के सामने वह दुर्घटना बार-बार घटती। वह दोपहर का वक़्त था। ओ.पी.डी. में तिल तक धरने के लिए जगह नहीं थी। उस समय एक अनाड़ी दुबले पतले लड़के ने डॉक्टर साहब को दवा कम्पनियों का दलाल कहा। कमीशनखोर बोला और पूछा, ''आप लोकल कम्पनियों की दो से तीन गुना मंहगी दवाईयाँ क्यों लिखते हैं?'' उसके हाथ में डॉ. रघुनाथ का पर्चा और मॉरल ग्राउंड फ़ार्मा की दवाइयाँ थीं। मरीजों को साँप सूँघ गया। इसी बीच हॉस्पिटल स्टॉफ ने पहुँचकर उस लड़के को बाहर ले 2 जाकर पटक दिया। डॉक्टर साहब बहुत दिनों तक परेशान रहे। आख़िर मन्त्रणाओं के मन्थन से उन्होंने रास्ता तलाश लिया। गाँव में अपनी पुस्तकालय निर्माण योजना को स्थगित कर फॉर्म हाउस में स्वीमिंग पूल बनवा दिया। इसके साथ उन्होंने विधायक से लेकर एम.पी. तक से निजी सम्बन्ध बनाए। फ़ार्म हाउस में डिस्को डांस से लेकर कठपुतली नाच तक की व्यवस्था थी। आहिस्ता-आहिस्ता वहाँ अधिकारियों से लेकर राजनीतिज्ञों की गहमा-गहमी बढ़ने लगी। अब डॉक्टर साहब को अपनी भुजाओं में हाथियों जैसा बल और मन में विश्वास का अन्धड़ घुमड़ने लगा। वह सोचने लगे कि कोई हिमाकत तो करे, साले को कुचलकर सड़क किनारे टँगवा दूँगा। इस साल सान्ध्य कार्यक्रम में आठ-दस मित्रा डॉक्टरों के अलावा डी.एम. और सांसद को भी डॉ. रघुनाथ ने निमन्त्रित किया था। इसलिए राग-रागिनी या कठपुतली नाच की जगह कार्यक्रम में कुछ आधुनिक रंग घोलने की उनकी कोशिश थी। मॉरल ग्राउंड फॉर्मा के रीजनल मैनेजर तिलक और उसके जूनियर नितीश के नुक्कड़ नाटक का सुझाव उन्होंने हाथों-हाथ लपक लिया था। नाटक के आयोजन की व्यवस्था नितीश ने कर डाली। पहले तरुणों को डाकू बनने दो, फिर करवाना आत्मसमर्पण। अपराधों की राख मलो, तो चमके प्रजातन्त्र का दर्पण। नितीश के मुँह से इन पँक्तियों में नाटक का सार सुनकर डॉ. रघुनाथ ने सूँघ लिया कि व्यवस्था के छोटे स्तम्भों को राजनीति का यह स्वांगभरा ट्रीटमेंट पसन्द आएगा।वैसे भी अपने समारोह के लिए हर बरस किसी प्रायोजक का डॉक्टर साहब शिकार कर लेते। इस बार मॉरल ग्राउंड फार्मा प्रायोजक थी। उस दिन यज्ञ सम्पन्न होने के बाद सबके साथ तिलक ने डॉक्टर साहब के चरणों की रज अपने माथे पर बैठा ली। जिसे अकेले में झाड़ते हुए वह नितीश से बोला, इन जैसे डॉक्टरों के कारण मैंने यह मुक़ाम इतनी जल्दी पाया है। डियर, बिजनेस में जो फ़ायदा पहुंचाए वह भी हमारा बाप है। तिलक और नीतिश दोनों सुबह ही फ़ार्म हाउस पहुँच गए थे। वहाँ जीन्स कसे रहने वाला डॉ. रघुनाथ का बेटा आशीष धोती-कुर्ता पहने हुए था। उसे देखकर तिलक बोला, ''एंजायिंग।'' ''याह''। धोती सँभालते हुए आशीष का उत्तर था। साथ में उसने कन्धे भी उचका दिए थे। ''धोती-कुर्ते में क्रिकेट हो जाए तो? '' तिलक ने मुस्कराकर पूछा।

आलेख

डॉ.चन्द्रकुमार जैन

कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना!

❒ दुनिया के सामने दिखावा अधिक जरूरी है या अपनी आत्मा की आवाज़ सुनकर उसे मानना और उस पर अमल करना? यह एक ऐसा ज्वलन्त सवाल है, जिसका उत्तर सौ में से निन्यानवें लोग यही देना चाहेंगे कि अपनी आत्मा की आवाज़ सुनकर उसे मानना और उस पर अमल करना ज्यादा जरूरी है, लेकिन अपनी आत्मा की विवेक-सम्मत आवाज़ को सुनकर भी उस पर अमल बहुत ही कम लोग करते हैं। इस ज्वलंत किन्तु शाश्वत प्रश्न पर कुछ विचार मननीय हो सकते हैं। प्रश्न यह है कि आखिर ऐसा क्यों होता है?

मेरा मानना कि बचपन से, जब से हम प्रारम्भिक और प्राथमिक स्तर पर सोचना-समझना शुरू करते हैं, घर-परिवार में हर जगह हमें कदम-कदम पर यही सिखाया जाता है और यही सुनने को मिलता है कि ऐसा मत करो वैसा मत करो नहीं तो "लोग क्या कहेंगे?" अर्थात् ये नकारात्मक वाक्य हर दिन और बार-बार सुनते रहने के कारण हमारे अवचेन मन में गहरे में नकारात्मक रूप से ऐसा स्थापित हो जाता है कि हम इसके विपरीत किसी सकारात्मक बात को चाहकर भी सुनना नहीं चाहते। खुद अपनी आवाज़ को भी नहीं सुन पाते हैं, अपनी आवाज़ को भी अनसुना कर देते हैं!

आत्मा की आवाज़ की उपेक्षा के दुष्परिणामस्वरूप हम हर समय असन्तुष्ट और परेशान रहने लगते हैं। हमें अपना घर संसार निरर्थक और नीरस लगने लगता है। हम अपनी आन्तरिक खुशी बाहरी दुनिया और भौतिक साधनों में तलाशने लगते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि हमारी सच्ची और स्थाई खुशी अपने आप के अन्दर ही विद्यमान रहती है। क्योंकि- "आन्तरिक खुशी ही तो असली खुशी है।" इसे जानते-समझते हुये भी हम सिर्फ और सिर्फ बाहर की दुनिया में वो सब तलाशते रहते हैं, जिसकी प्राप्ति भी हमें अपूर्ण ही बनाये रखती है और इस अपूर्णता को तलाशने में हम अपना असली खजाना अर्थात् अपनी जवानी, उम्र और अमूल्य समय लुटाकर हमेशा को कंगाल हो चुके होते हैं।

इस सच्ची बात का ज्ञान होने तक जबकि हम अपना जीवन बाहरी खोज और भौतिकता में गँवा चुके होते हैं, हम इतने थक चुके होते हैं, इतने निराश हो चुके होते हैं कि हम कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं रह पाते हैं, बल्कि इस बात का जीवन भर पछतावा होता रहता कि हम निरर्थक कार्यों में अपनी जवानी, उम्र और अमूल्य समय लुटा चुके हैं।

इस पछतावे में भी हम जीवन के शेष बचे अमूल्य समय को रोते बिलखते बर्बाद करते रहते हैं। हम ये दूसरी मूर्खता, पहली वाली से भी बड़ी मूर्खता करते हैं। जिससे अन्ततः अधिकतर लोग तनाव तथा अवसाद ग्रस्त हो जाते हैं। इसलिए ऐसे हालात में हमें हमारे पास जो कुछ-समय और जीवन शेष बचा है, उसका बेहतर से बेहतर सदुपयोग करना चाहिए और अपने जीवन को संभालना चाहिए यही सबसे बड़ी समझदारी है। जिसके लिये पहली जरूरत है कि हम सबसे पहले तो इस बात को भुला दें कि-"लोग क्या कहेंगे?" दूसरी बात ये कि हम खुद की जरूरतों का और वास्तविकताओं का आकलन करें फिर पहली बात के साथ ही साथ हम ऐसा कोई अनुचित काम भी नहीं करें, जिससे हमारी खुद की या अन्य किसी की शान्ति भंग हो। यही जीवन जीने का वास्तविक किन्तु कड़वा सच है।

पथ की आस

अवधेश कुमार निषाद मझवार

❍ बसंत का मौसम बहुत सुहावना होता है। पेड़ पौधों पर नए-नए पत्ते व टहनिया निकल आयी हैं, क्योंकि फागुन का माह चल रहा है । चारों तरफ रंग ही रंग व हर किसी के हाथों में रंग-बिरंगा गुलाल दिखाई दे रहा है. मेरे गांव के पास ही एक गांव नारायणपुर है, वहाँ की एक रीति बहुत पुरानी है. वह यह है, वहाँ के निवासी एक-दूसरे के गांव में होली की टोली के साथ बधाई देने पहुंचते थे. इसबार देखा गांव में अंदर जाने के लिए कोई रास्ता नहीं था।मैंने पूछा इस गांव में कैसे जाना होगा? तभी गांव के एक लड़के ने बताया। इस गांव के लिए एक पगडंडी जाती है। गांव का केवल यही एक रास्ता है। फिर क्या पगडंडी से चलकर गांव में प्रवेश हो गए। सभी लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर होलिका माता जी के जयकारे लगाए।उसी समय गांव के एक सज्जन आदमी ने अपने घर पर बने पकवान थाली में लेकर आए। जिसमें हिस्से-गुजिया, रंग-बिरंगे आलू के पापड़, थोड़ा सा गुलाल व साथ में पीने के लिए घर पर घुटी भांग भी साथ में लाए। उन सज्जन का नाम हाकिम सिंह था।मैंने आलू के पापड़ खाते हुए उनसे पूछा। बाबूजी इस गांव के लिए चौड़ा रास्ता नहीं है। यह बात सुनकर हाकिम सिंह जी की आंखे नम हो गई। थोड़ी देर बाद बोले यह गांव लगभग पचास साल से बसा हुआ है। गांव सड़क के किनारे बसा हुआ है। गांव के आगे दबंगों लोगों का खेत है। मुख्य सड़क से नक्शे में 20 फुट चौड़ा रास्ता है। लेकिन वे दबंग कहते कि हम दलितों को जाने के लिए रास्ता नहीं देंगे। जैसे दलित-पिछड़े रहते हैं।

एक ऑफिस ऐसा भी

❍ आप ने पहले भाग में पढ़ा था कि ऑफिस की तरक्की कैसे हुई? कर्मचारी के साथ बॉस का हाव- भाव अलग था। हर तरफ गुट बन चुके थे। और आखिरी में सब खत्म हो गया था। कुछ लोग बचे थे। जो अपनी जीविका चला रहे थे। या कहो अपना मनोरंजन ऑफिस में कर रहे थे। किस्मत कहां ले जाए क्या भरोसा? तंग आ गया हूं यहां से । दूसरी जगह नौकरी करनी है। दिल में हर दिन ख्याल आता रहा। सोचता रहा क्या दिन थे इस ऑफिस के जब मैं आया था? डरा हुआ सहमा सा। शायद ये सोचता था कि किससे बात करूं? कहीं कोई डांट न दे? जूनियर हो वैसे ही रहो। चुप-चाप किसी कम्प्यूटर पर कोने में बैठा रहता था। अपने काम से मतलब था। यहां तक कि काम के लिए किसी और को कहना सर पर बोझ जैसा लगता था। कहीं मना न कर दे वो? शुरू के वो दिन थे जब हर रोज मुझसे कोई गलती होती थी। उस समय मैं काम को समझ रहा था। पर डांट तो लाजमी थी। गलती से याद आया, इक गलती शुरू में राहुल नाम के बंदे ने की, और उसे बिना सोचे समझे मैंने आगे बढ़ा दी, वो बढ़ती गई, एक के बाद एक ने की। मुझे ऑफिस ज्वाइन किए पांच से 6 दिन हुए थे। तब ये गलती हुई थी। तभी अचानक बॉस दीपक के पास फोन आता है, उनके चेहरे के हाव-भाव से प्रकट हो रहा था कि कोई उनको डांट रहा हो। सबके सामने आकर पूछना कि काम किसने किया और मुझ पर चिल्लाना, काम नहीं करना तो घर में बैठ जाओ। ऐसे लोगों की जरूरत नहीं है। एक तरफ बॉस के आंख में आंसू नजर आ रहे थे, तो दूसरी तरफ मैं भी उदास हो गया। मैंने सोचा नहीं करना काम चलो छोड़ देते हैं। फिर ख्याल आया कहां जाएंगे हर जगह का यही हाल है। बॉस तो गलती पर डांटेगा।

लघुकथा

बबीता गुप्ता

आस

'क्या खाक खुलकर जिओ?, रामदीन ने गुस्से में अखबार को गुड़ीमुडी करके जमीन पर दे मारा. शांतचित प्रव्रति के रामदीन का इस तरह का उत्तेजित क्रोधित व्यवहार देख पास में बैठे मेवालाल ने जाना चाहा, 'ऐसा क्या पढ़ लिया, जो इस तरह उखड़ गए, जरा मैं भी तो पढ़ूँ.गुड़ीमुडी अखबार को सीधा कर रामदीन के उखड़े मूढ़ का कारण मेवालाल की आंखें खोजते हुये, गंतव्य पर गढ़ गई, जहां मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा था, 'ढलती उम्र में जिंदगी जीने के नुस्खे.'पढ़कर मन विचलित हो गया. नजदीक ही योगा कर रहा उनका दोस्त, गयादीन भी माजरा जानने आकर बैठ गया.

मेवालाल के चेहरे पर अंदर का दर्द उभर आया, खोया हुआ सा कहने लगा, 'सही कहते हो यार, भरा-पूरा परिवार होते हुये भी जिंदगी काटने को दौड़ती हैं. कुछ सुनना चाहता हूँ, कुछ सुनाना चाहता हूँ, पर सब अपनी-अपनी दुनिया में खोये रहते हैं.'अपनी ठहरी हुई जिंदगी की दुखती रग को छेड़ दिया हो, हुलस भरी सांस लेते हुये गयादीन की आँखों की कोरे नम हो गई, अपने कंधे पर पड़े गमछे से पोंछते हुये, खोये हुये से कहने लगे, 'हाँ, दोस्त, तुम सुबह-शाम उनकी आवाज सुन संतोष की नींद तो सो लेते हो, लेकिन यहाँ तो महीनों गुजरने पर भी चेहरा क्या, सुनने को तरस जाते हैं, बस, हम पति-पत्नी एक दूसरे को ढांढस बँधाते हुये सुबह- शाम काट लेते हैं.' दोनों की बात सुनकर, झल्लाते हुये रामदीन का गला भर्राती, दम-तोड़ती आवाज में कहा, 'तुम दोनों का तो कोई नाम लेने वाला भी हैं, पर मैं निपट अकेला, किसकी आस में जिंदगी का बोझ ढोंऊ.'सुनकर दोनों दोस्त निःशब्द हो गए, बस, अपने हाथ, उसके कंधों पर रख दिया, जैसे, उसको अकेला ना होने की तसल्ली दे रहे हो.

हृदय स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम दवा
> कैप. हृदय कवच, कैप. कार्डिओ अमृत, को-एच और क्लीन हार्ट सिरप

❒ यह सभी हृदय रोगों से बचाव के लिए प्रभावी दवाएं हैं। आयुर्वेद एक शाश्वत चिकित्सा शास्त्र है। जिसमें शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा गया है। इसकी चिकित्सा औषधी अत्यंत विशुद्ध अमृततुल्य होती है। जो दुष्परिणाम विरहित होकर चिकित्सा अपुनर्भव होती है अर्थात रोगों को समूल नष्ट कर देती हैं। इन उत्पादों के माध्यम से हृदय रोगों का प्रबंधन और उपचार संभव है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। आजकल की भागदौड़ की जिंदगी में असमय, अशास्त्रीय तरीके से खाना पिना, रात्रि जागरण मानसिक एवं शारीरिक तनाव, आधुनिक जीवन शैली इत्यादि के कारण ऑक्युपेशनल डिसऑर्डर अर्थात जिवनशैली से अथवा काम में संबंधित विकार होने शुरू हो गये है। उसमें हाई बि.पी, शुगर के साथ हृदय विकार भी आमतौर पर देखे जा रहे हैं। आजकल स्त्री हो या

पुरुष 18 साल के ऊपर की उम्र के किसी भी व्यक्ती को हृदय रोग होते हुए देखे जा रहे हैं। उसका कारण आजकल की अशास्त्रीय आधुनिक जीवन शैली के अलावा कोविड-19 पैन्डेमिक भी माना जा रहा है। टॅबलेट डॉ कोलो एच और क्लीन हार्ट सिरप अत्यंत प्रभावी औषधी पायी गयी है। उपर्युक्त वर्णित हृदय रोग चाहे वह किसी भी आंयु की व्यक्ति का हो उपर्युक्त वर्णित औषधियों से समूल संपूर्ण, नष्ट हो जाता है। इसके साथ स्वस्थ व्यक्ती भी अपने हृदय को स्वस्थ रखने, बीपी कोलेस्ट्रॉल को नॉर्मल रखने के हेतु से उपर्युक्त वर्णित औषधि अनुभवी वैद्यों की सलाह एवं परामर्श से सेवन कर सकते है। शिव शंकर 'आयुर्वेद एजेंसी' द्वारा निर्मित कैप-हृदय कवच और कैप-कार्डियो अमृत जैसे उत्पाद, हृदय रोगों के प्रबंधन और उपचार के लिए उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये औषधियां न केवल हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाती हैं। योग कॉम्प्लेक्स, सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड, महाजन मार्केट, नागपुर, आयुर्वेदिक दवाओं और उपचारों के साथ अधिक जानकारी और परामर्श के लिए, आप शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक और शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी से अथवा इस 9112079000 / 8605245080 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, मंगलवार, 17 दिसंबर 2024

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

लायंस क्लब द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरण

धानोरा:

14 दिसंबर 2024 को, लायंस क्लब गढ़चिरौली ने घने जंगल से घिरे गढ़चिरौली से 60 किमी दूर, कुल 70 की आबादी वाले धानोरा तालुका के गुमडी और तिरनपार गाँव के जरूरतमंद आदिवासियों को पुरुषों और महिलाओं के लिए गर्म कंबल वितरित किए.यह दोनो गाँव आदिवासी हैं और घने जंगलों में स्थित हैं। लायन्स क्लब के कैबिनेट अधिकारी सुरेश लडके ने कहा कि लायंस परिवार द्वारा किया जा रहा कार्य जरूरतमंदों को जीवनदान दे रहा है और उस सेवा से उन्हें वास्तविक आत्मिक संतुष्टि मिल रही है. इस अवसर पर लायंस क्लब जोन चेयरपर्सन दीपक मोरे, कैबिनेट ऑफिसर सुरेश लड़के, किशोर चिलमवार, नितिन बटुवार, शेमदेव चापले, वंदना चापले सहित अन्य लायंस सदस्य उपस्थित थे.

मुनगंटीवार बड़े कश्मकश में, करे तो क्या करे ?

क्या विकासपुरुष मुनगंटीवार की नाव कम पानी में डूबी

क्या भाजपा बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है?

> विधानमंडल सत्र में रहे अनुपस्थित

चंद्रपुर, सुनील तायडे

विधानसभा में लगातार 7 बार निर्वाचित रहने और वित्त एवं नियोजन मंत्री जैसे उच्चपदस्थ पदों पर सफल कार्य कर दिखाने के बावजूद नए मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिलने से भाजपा के वरिष्ठ नेता,स्थानीय विधायक सुधीर मुनगंटीवार नाराज हुए है. नागपुर में सोमवार से शुरू हुए विधानमंडल के शीत सत्र में पहले दिन अनुपस्थित रहकर मुनगंटीवार ने अपनी नाराजगी स्पष्ट की है. ऐसी लोगों में चर्चा है वही मुनगंटीवार ने स्पष्ट कहा कि वह पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में अपना काम करते रहेंगे.

नागपुर में 16 दिसंबर से विधानमंडल के शीत सत्र की शुरुआत हुई. सत्र के पहले दिन सभागार में सुबह 11 बजे कामकाज शुरू हुआ. राज्य के नए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नए मंत्रिमंडल की स्थापना के बाद इस सरकार का यह पहला ही सत्र था. सभागार में भाजपा, शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार) गठबंधन में बनी महायुति के करीब सभी नए मंत्री तथा विपक्षी दलों के

विधायक उपस्थित थे, लेकिन सत्र के पहले दिन सभागार में कामकाज शुरू होने के काफी देर तक भी सुधीर मुनगंटीवार सभागार मे उपस्थित नहीं हुए थे.

मंत्रिपद से वंचित रहे भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि, उन्हें मंत्रिपद नहीं दिया जा रहा, यह बात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने उनसे स्पष्ट नहीं की थी. शपथविधि से पहले उन्हें पार्टी नेताओं की ओर से मंत्रिपद के लिए तैयार रहने के लिए ही कहा गया था. इस संदर्भ में वे मुख्यमंत्री फडणवीस और बावनकुले से निरंतर संपर्क में भी थे, लेकिन उन्होंने कभी यह नहीं जताया कि,उन्हें मंत्रिपद नहीं दिया जा रहा है.

गौरतलब है कि, मंत्रिपद नहीं मिलने से हतप्रभ हुए सुधीर मुनगंटीवार ने सोमवार को नागपुर में शुरू हुए विधानमंडल के शीत सत्र के पहले दिन सभागार में उपस्थिति नहीं दिखाई. इससे वे नाराज होने की आशंका व्यक्त की जा रही थी.

मीडिया से बात करते हुए मुनगंटीवार ने स्पष्ट किया कि, विधानमंडल शीत सत्र के पहले दिन सभागार में कोई खास काम नहीं होने वाला था. इसलिए वे सभागार में उपस्थित नही रहे. उन्हें इस बात का पता था कि, अगर वे सभागार में उपस्थित होते तो बेवजह उन्हें अनेकों सवालों का सामना करना पड़ता था. और ऐसे सवालों का जवाब देने से बेहतर उन्होंने मौन बनाये रखना ही बेहतर समझा.

उन्होंने स्पष्ट किया कि, मंत्रिपद नहीं मिलने से वे नाराज नहीं है, पार्टी ने आज तक जो भी जिम्मेदारी उन्हें दी है, उसका उन्होंने प्रामाणिक रूप से निर्वाह किया है. आगे भी वे इसके लिए सदैव तैयार रहेंगे. उन्होंने कहा कि, इस संदर्भ में उन्हें वरिष्ठ नेता स्वर्गीय प्रमोद महाजन की एक बात याद है, जिसमें उन्होंने कहा था कि, कदम दर कदम मन के विपरीत बातें हो रही हो तब भी जो आगे बढ़ता जाता है, वहीं सच्चा कार्यकर्ता होता है. उन्होंने यह भी कहा कि, उनकी अगली राजनीतिक दिशा अर्थात जीना यहां, मरना यहां जैसी ही रहेगी.

नदी में नहाने के दौरान हुआ हादसा

> लड़का और लड़की की मौत, 1 की बची जान
> वर्धा नदी पर हुआ दुखद हादसा

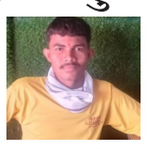

घुग्घुस. चंद्रपुर जिले के आदर्श फिजिकल ग्रुप के संचालक आदर्श चिवंडे रविवार की सुबह अपने विद्यार्थियों के साथ कसरत के लिए धानोरा-भोयगांव मार्ग की वर्धा नदी पर गए थे. कसरत समाप्त होने के बाद कुछ लड़के और लड़कियां नदी में नहाने के लिए गए. हालांकि, नदी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण 1 लडका एवं 2 लडकियां पानी में डूब गए. जिसमें 1 लडकी को बचाने में सफलता मिली.

पुलिस भर्ती के लिए कुल 40 लडके_लडकियां चंद्रपुर जिले के आदर्श फिजिकल ग्रुप में तैयारी कर रहे थे. जिसमें 30 लडकियां और 10 लडकों का समावेश था. दौरान रविवार की सुबह ग्रुप के संचालक आदर्श चिवंडे एवं यह 40 छात्र_छात्राएं कसरत के पश्चात धानोरा_भोयगांव मार्ग की वर्धा नदी पर नहाने गए थे. लेकिन वहां पानी की गहराई का अंदाजा नही होने के कारण 3 बच्चे पानी में डूब गए. जिसमें 2 लडकियां और 1 लडके का समावेश है. इस हादसे में संध्या शिंदे (निवासी जीवती) और युगल नागपुरे (निवासी सोनपुर देशपांडे) की डूबने से मौत हो गई. वहीं, समीक्षा शेंडे को समय रहते बचा लिया गया. घटना की जानकारी मिलते ही घुग्घुस पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है. पुलिस द्वारा घटना के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है.

150 किलोग्राम प्लास्टिक जब्त

> गुप्त सूचना के आधार पर मनपा की कार्रवाई

चंद्रपुर.

चंद्रपुर नगर निगम एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है और उपद्रव जांच दल ने गंजवार्ड में बाबा मिया ट्रांसपोर्ट में पैकेजिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले लगभग 150 किलोग्राम प्लास्टिक पन्नी जब्त की है.

आयुक्त एवं प्रशासक विपिन पालीवाल के निर्देशानुसार प्रतिबंधित एवं एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए 8 टीमें गठित की गई हैं. ये सभी टीमें शहर में नियमित ऑपरेशन चलाती हैं. इस बार भी नगर निगम को इस गोदाम के संबंध में गोपनीय सूचना मिली थी.नगर पालिका को प्लास्टिक बैगों के अवैध भंडारण के संबंध में अनेक जानकार व्यक्तियों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, क्योंकि सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखी जाती है तथा दी गई सूचना सही पाए जाने पर 5,000 रुपये का इनाम दिया जाता है.

राज्य में 1 जुलाई 2022 से एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन, आयात, भंडारण, परिवहन, वितरण, बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है. महाराष्ट्र प्लास्टिक और थर्मोकोल अधिसूचना 2018 के अनुसार, एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर 500 रुपये का जुर्माना है.प्लास्टिक की वस्तुओं का दोबारा उपयोग करने पर मौके पर 500 रुपये, संस्थागत स्तर पर 5,000 रुपये तक का जुर्माना तथा 10 हजार रुपये का जुर्माना तथा तीसरी बार अपराध करने पर 25 हजार रुपये तक का जुर्माना है। और 3 महीने की कैद का प्रावधान है.

उक्त कार्रवाई आयुक्त विपिन पालीवाल के मार्गदर्शन में, अपर आयुक्त चंदन पाटिल, उपायुक्त रवींद्र भेलावे और उपायुक्त मंगेश खवले, सहायक आयुक्त शुभांगी सूर्यवंशी, डॉ. अमोल शेलके, राहुल पंचबुद्धे, स्वच्छता निरीक्षक भूपेश गोठे और अनिल खोटे ने यह कार्य किया.

फसल बर्बाद होने से किसान ने की आत्महत्या

> सरकार से लगाई थी गुहार

चंद्रपुर.

राजुरा तालुका के चुनाला निवासी एक किसान ने खेत में खराब फसल से तंग आकर अपने घर पर जहर खा लिया. इलाज के लिए भर्ती कराए जाने के दौरान उनकी मौत हो गई. यह घटना गुरुवार (12 तारीख) को घटी.मृतक किसान की पहचान रमेश सखाराम चोथले (50) के रूप में हुई है.

पिछले दो-तीन वर्षों से खेतों में फसल खराब होने के कारण रमेश पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा था.इसलिए वह लगातार चिंतित रहता था. इससे पहले खेती के लिए रिश्तेदारों और करीबी लोगों से लिया गया कर्ज चुकाया नहीं जा सका था. चूंकि इस वर्ष भी खेतों में कोई फसल नहीं थी, इसलिए रमेश के सामने यह प्रश्न था कि वह सेवा सहकारी समिति से लिया गया ऋण कैसे चुकाए. इसलिए गुरुवार को उसने जहर खा लिया. जब परिवार खेत से घर लौटा तो रमेश जमीन पर पड़ा मिला और उसके चेहरे पर झाग लगा हुआ था. उनके परिवार वाले उन्हें राजुरा के उप-जिला अस्पताल ले गए, लेकिन उन्हें इलाज के लिए चंद्रपुर के जिला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया. इलाज के दौरान (13 तारीख को) उनकी मृत्यु हो गई.

रमेश अपने भाई के साथ सामूहिक खेती कर रहा था. उनकी जमीन पर पांच एकड़ का खेत था, इसलिए चूंकि यह साझी खेती थी, इसलिए सेवा कार्ति सेवा सहकारी समिति से ऋण भी साझी रूप में लिया गया था. इससे उन पर नब्बे हजार रुपए का कर्ज हो गया और रिश्तेदारों से लिया गया कर्ज भी दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा था.परिवार के सदस्यों ने बताया कि वह हमेशा चिंतित रहता था, क्योंकि बढ़ता कर्ज उसे चैन से रहने नहीं देता था. इसलिए, यह देखकर कि घर पर कोई नहीं है, उन्होंने जहर पी लिया। और अपना जीवन समाप्त कर लिया। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं और रमेश के निधन से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.

नल मीटर बंद के नाम पर नलधारकों की वित्तीय लूट

बल्लारपूर .

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा शहर को पानी की आपूर्ति की जा रही है। उसके लिए महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण मीटर रीडिंग लेता है और नल धारकों को बिल भी देता है। लेकिन इस माह में नल धारकों को यह टिप्पणी लिखकर भेजा गया है कि मीटर बंद है और नल धारकों को आर्थिक

रूप से लूटा जा रहा है। बल्लारपुर शहर महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा नागरिकों को पानी की आपूर्ति कर रहा है और अधिकतम संख्या में घर जुड़े हुए हैं. नल धारक को न्यूनतम 210 रुपये का बिल मिलता है। लेकिन इस महीने, 600 रुपये का बिल एक टिप्पणी लिखकर भेजा गया है कि मीटर बंद है। इस कारण नल धारकों को आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। जब नल ग्राहक ने महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के शाखा अभियंता से इस बारे में पूछा तो आपका मीटर बंद है और आपको नया मीटर लेना है। अब नए मीटर पर भी पैसा देना होगा। बताया गया कि शहर में 2,500 से अधिक नल धारकों को अधिक बिल भेजे गए हैं। कई लोगों के घर में बोरवेल हैं और नल का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करते हैं। इसलिए, उनके मीटर के आकडे घूमती नहीं है और एक भी इकाई पानी का उपयोग नहीं किया जाता है। हालांकि, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण ने खराब मीटर के साथ एक उच्च बिल भेजा है। अब नल धारकों को नया मीटर खरीद कर लगाना होगा। पिछले साल मजीप्रा ने सभी नल धारकों के लिए नए मीटर लगाए थे। अब नल धारकों को नए मीटर लगाने के लिए वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ेगा। मजीप्रा ने इसके पहले भी ऐसा ही किए थे। नल धारकों को यह समझने में देर नहीं लगी कि महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा स्थापित मीटर इतनी जल्दी कैसे काम नहीं कर रहे है।

मौलवी की करतूत, खून के रिश्तों में डाली फूट

> 25 परिवारों का सामाजिक बहिष्कार

चंद्रपुर.

इस्लाम धर्म में यह कहा गया है कि यदि आपका पडोसी भूखा है तो आपका अच्छे से अच्छा भोजन करना भी अल्लाह को पसंद नहीं है. पडोसी चाहे किसी भी धर्म का हो उसके प्रति गहरी संवेदना प्रकट करने का आदेश इस्लाम देता है परंतु नागभीड़ में अपनी साख बनाये रखने के लिए एक मौलवी और मस्जिद कमेटी के सदस्य इस्लाम के मूल सिध्दांतों के बिल्कुल विपरीत आचरण कर खून के रिश्तों में फूट डालने का काम कर रहे है. उनकी इस हरकत से हलाकान हुए पीड़ितों ने कोर्ट में न्याय की गुहार लगाई जिस पर कोर्ट ने संबंधितों पर मामला दर्ज कराने का आदेश दिया है. चंद लोगों की इस्लाम विरोधी सोच की वजह से नागभीड़ शहर का माहौल बिगड़ रहा है.

नागभीड़ शहर एक ही धर्म को माननेवाले, प्रत्येक के धार्मिक कार्यक्रमों, उत्सव में सहभागी होनेवाले, एक ही साथ पढ लिखकर बड़े हुए साथ में खेलकूदे और मौजमस्ती की आज वे ही एक दूसरे के दुश्मन हो गए है. हद यह हो गई कि एक परिवार के सगे भाईयों के बीच फूट डाले जाने से एक बेटा अपने पिता की अंत्येष्टि में शामिल नहीं हो पाया है. यह जानकारी नागभीड़ के रियाज रफीक शेख ने श्रमिक पत्रकार संघ कार्यालय में ली गई पत्र परिषद में दी.

उन्होने बताया कि नागभीड़ के जामा मस्जिद के मौलवी ने लोगों के बीच दुश्मनी निर्माण कर दी है. एक दूसरे के खिलाफ भडकाने से एक दूसरे के दुश्मन बन गए है. इसका कुछ साधन संपन्न लोगों ने फायदा उठाया है. मुस्लिम समाज के 25 परिवारों पर बहिष्कार कर दिया गया है. विवाह समारोह, अंतिम संस्कार अन्य धार्मिक विधि, सामाजिक कार्य आदि में इन लोगों को प्रतिबंध लगाया है. यदि इन 25 परिवार के यहां कोई विवाह या अन्य कार्यक्रम हो तो उसके द्वारा समाज के लोगों को आमंत्रण पत्रिका दिए जाने पर उसका जामा मस्जिद कमेटी और संबंधित मौलवी द्वारा अपमान किया जाता है. विवाह समारोह से बेइज्जत कर निकाल दिया जाता है. यह परिवार गांव में मानसिक परेशानियों से जूझ रहे है.

रियाज शेख ने बताया कि आपसी वैमनस्व निर्माण करने का काम विगत 25 वर्षों से शुरू है. इनमें कई ऐसे बच्चे है जो अब जवान हो चुके है और इस्लाम के वास्तविक अर्थ को समझने लगे है. और सभी के बीच आपसी सदभाव और भाईचारा निर्माण करने का प्रयास करने में लगे हुए है. परंतु उनके इन कामों में रूकावट डालकर फिर से एक ही धर्म को माननेवाले लोगों का सामाजिक बहिष्कार किया जा रहा है.

तौसीफ नामक एक पीड़ित ने बताया कि उन्होने अपने यहां विवाह समारोह में बहिष्कृत अपने संबंधितों को आमंत्रित किया था जिसपर मस्जिद के मौलवी और मस्जिद कमेटी के लोगों ने उसका और उसके परिवार का भी बहिष्कार कर दिया. मस्जिद में नमाज पढने नहीं दिया जा रहा है. कुछ लोगों ने ऐसा करने पर उसे पीटा भी जिसकी शिकायत उसने पुलिस थाने में की है.

पत्र परिषद में बताया गया कि समाज के चंद लोग ही पूरे समाज में आपसी दुष्मनी निर्माण करने का प्रयास कर रहे है. जबकि इस समय देश जो हालत है उससे देखते हुए सभी मुस्लिमों को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ रहना जरूरी है. हम ही आपस में लड़ते रहे तो कमजोर पड़ जाएंगे. यह बात संबंधित मौलवी और मस्जिद कमेटी के सदस्यों के समझ में नहीं आ रहा है.

2000 करोड़ वाला फॉर्मूला अपना रहे आमिर खान!

साल 2025 में शाहरुख खान नहीं आएंगे, पर सलमान खान की एंट्री होने वाली है. यह दोनों सुपरस्टार्स तो लगातार धमाल मचा रहे हैं. अब इंतजार है आमिर खान का. जो अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले कई फिल्में तैयार कर चुके हैं और अपनी कमबैक फिल्म पर भी लगातार काम कर रहे हैं. फैन्स से लिए एक गुड न्यूज आई है. इसी बीच पता लगा कि फरवरी 2025 में आमिर खान कुछ और प्लान कर रहे हैं. हाल ही में मिड डे पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि आमिर खान ने 'सितारे जमीन पर' का फाइनल शूट खत्म कर लिया है. फिल्म सिटी में संडे की रात को शूट कंप्लीट हुआ. पिक्चर अब पोस्ट प्रोडक्शन स्टेज पर चली गई है.

साल 2007 में आमिर खान की 'तारे जमीन पर' आई थी. अब उसी टाइटल को थोड़ा सा बदलकर पार्ट 2 लाया जा रहा है. हालांकि, कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया है कि, फिल्म का दूसरा पार्ट पहले वाले की कहानी को आगे नहीं बढ़ाएगा. यह एकदम अलग होगा. साथ ही जहां पहली वाली फिल्म में खूब सारे इमोशंस थे. इस बार थोड़ी कॉमेडी होगी. कहानी में आमिर खान के साथ जेनेलिया देशमुख हैं.आमिर खान की फिल्म अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज पर है. अपनी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए आमिर खान अक्सर फोकस-ग्रुप स्क्रीनिंग आयोजित करते हैं. उन्होंने 'दंगल' और 'सीक्रेट सुपरस्टार' के वक्त भी ऐसा काम किया था. 'दंगल' ने दुनियाभर से 2000 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाई की थी. अब टीम 'सितारे जमीन पर' के लिए भी फरवरी 2025 तक फोकस-ग्रुप स्क्रीनिंग शुरू करने की प्लानिंग कर रही है. ताकी अगर कुछ बदलाव भी करने पड़े, तो वो वक्त रहते हो सके. ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म 2025 गर्मियों तक रिलीज कर दी जाएगी.आमिर खान की पिछली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' सुपर फ्लॉप रही थी. अब ऐसा लगता है कि उन्होंने अपना नॉर्मल फॉर्मूला बदल लिया है. अब वो दंगल वाली स्ट्रेटजी पर काम कर रहे हैं.हाल ही में सामने आई रिपोर्ट से पता लगा कि एक दिन का पैच सेशन था. जो दोपहर 2 बजे शुरू हुआ और देर रात तक खत्म हो गया. दरअसल आमिर खान चाहते थे कि किसी भी हालत में फिल्म

भारतीय शास्त्रीय संगीत ने एक नहीं दो अनमोल रत्न खोये

मनोरंजन जगत से एक और बुरी खबर सामने आई है। लोकप्रिय शास्त्रीय गायक और हारमोनियम वादक 'पंडित संजय राम मराठे' का निधन 68 वर्ष की आयु में हो गया है। इस बात की जानकारी उनके परिवार वालों ने दी है। शास्त्रीय गायक के घर वालों ने बताया कि उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसके बाद हम लोग उन्हें लेकर महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक नजदीकी अस्पताल में पहुंचे। जहां उनकी हालत गंभीर बताई गई।

दिल का दौरा पड़ने से निधन

अब तक सामने आई जानकारी के मुताबिक लोकप्रिय शास्त्रीय गायक 'पंडित संजय राम मराठे' का निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ। देर रात (रविवार) डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की बहुत कोशिश की। लेकिन सीरिया अटैक होने के कारण वह नहीं रहे। 'संजय मराठे' शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में बड़ा नाम था। उनके जाने से फिल्म जगत में शोक की लहर है। 'पंडित संजय राम मराठे' हारमोनियम वादन और गायिकी के लिए कई प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। वह अपने पीछे भारतीय शास्त्रीय संगीत और रंगमंच की एक समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं।

73 वर्षीय विश्व विख्यात तबला वादक जाकिर हुसैन का निधन बीती रात सैन फ्रांसिस्को में हुआ। वह भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक प्रमुख चेहरा थे। उन्होंने देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी प्रसिद्धि दिलाई। उनका संगीत सदियों तक आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उनके निधन से भारतीय शास्त्रीय संगीत ने अपना एक अनमोल रत्न खो दिया है।

सैफ और रणबीर के बीच हुई बहस

मुंबई में आयोजित राज कपूर फिल्म फेस्टिवल इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। इस इवेंट से कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। खासतौर पर एक वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा है, जिसमें सैफ अली खान और रणबीर कपूर के बीच बहस होती नजर आ रही है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि जब रणबीर कपूर, सैफ अली खान को स्क्रीनिंग की ओर ले जाने की कोशिश कर रहे थे, तब सैफ थोड़े चिढ़े हुए नजर आए। सैफ को रणबीर से सख्त लहजे में "ठीक है" कहते हुए देखा जा सकता है। इस पल ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है, और फैंस दोनों के बीच की इस छोटी बहस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। राज कपूर फिल्म फेस्टिवल में कपूर परिवार के लगभग सभी सदस्य शामिल हुए। सैफ अली खान और करीना कपूर एक साथ स्क्रीनिंग पर पहुंचे। वहीं, आलिया भट्ट, नीतू कपूर, रणधीर कपूर, बबीता, रिद्धिमा कपूर साहनी और करिश्मा कपूर भी फेस्टिवल का हिस्सा बने।इसके अलावा, फिल्म जगत के कई बड़े सितारे भी इस इवेंट में नजर आए। इनमें महेश भट्ट, रेखा, संजय लीला भंसाली, फरहान अख्तर, विक्की कौशल, कार्तिक आर्यन, बोनी कपूर, पद्मिनी कोल्हापुरे, सोनी राजदान, और शाहीन भट्ट जैसे नाम शामिल हैं।

मस्ती 4 का जल्द मिलेगा डोज

बॉलीवुड की पॉपुलर फ्रेंचाइजी फिल्मों की बात की जाएगी तो 'मस्ती' का नाम जरूर लिया जाएगा. इस फिल्म के चौथे पार्ट 'मस्ती 4' का काफी समय से बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. अब फिल्म के एक्टर आफताब शिवदासानी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म 'मस्ती 4' की शूटिंग पर अपडेट दिया है. आफताब शिवदासानी ने बताया है कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है. फिल्म पर अपडेट आने के बाद फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं. आइए जानते हैं कि बॉलीवुड एक्टर ने मच-अवेटेड फिल्म 'मस्ती 4' को लेकर और क्या बताया है.

आफताब शिवदासानी ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ तस्वीरें शेयर कर फिल्म 'मस्ती 4' को लेकर अपडेट दिया है. पहली फोटो में वह फिल्म के क्लैप बोर्ड के साथ नजर आ रहे हैं. दूसरी और तीसरी फोटो में वह रितेश देशमुख और मिलाप जावेरी के साथ दिखाई दे रहे हैं. चौथी फोटो में आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख और मिलाप जावेरी के अलावा जितेंद्र कुमार, इंद्र कुमार सहित कुछ अन्य लोग नजर आ रहे हैं. इस पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'पागलपन शुरू होता है. उनमे से अब तक का सबसे मजेदार होना वाला है.' आफताब शिवदासानी के इस पोस्ट के बाद लोग कमेंट करते नजर आए कि विवेक ओबेरॉय कहां हैं. बताते चलें कि विवेक ओबेरॉय फिल्म 'मस्ती 4' में नजर आएंगे. वह किसी वजह से फिल्म लॉन्च इवेंट में शामिल नहीं हो पाए थे.

गौरतलब है कि पॉपुलर फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म 'मस्ती' साल 2004 में, दूसरी फिल्म 'ग्रैंड मस्ती' 2013 में और तीसरी फिल्म 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' 2016 में रिलीज हुई थी. फ्रेंचाइजी की पहली और दूसरी फिल्म ने बंपर कमाई की थी लेकिन तीसरी फिल्म फ्लॉप रही थी. अब फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म 'मस्ती 4' को कैसा रिस्पॉन्स मिलता है.

गुकेश को अनुष्का ने भी किया सपोर्ट

भारतीय शतरंज के खिलाड़ी डी गुकेश ने 18 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बनकर इतिहास रचा। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने निर्णायक गेम 14 में गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता। इस मौके पर डी गुकेश के पिता ने अपने त्याग को लेकर बात की है। जिसको लेकर अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। अनुष्का शर्मा ने डी गुकेश के पिता के त्याग का सम्मान करते हुए उनकी तारीफ की है।अनुष्का ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें गुकेश के पिता डॉ. रजनीकांत कहते नजर आ रहे हैं, 'बलिदान एक बड़ा शब्द है। अगर बच्चे किसी चीज में प्रतिभाशाली हैं तो उन्हें कुछ देना माता-पिता का कर्तव्य है। जब वह हमसे मतलब रखता था। जब उसने शुरुआती चरण में शतरंज करियर शुरू किया तो मैं अपने करियर और पेशे पर काम कर सकता था और सप्ताहांत में मैं जाता था और उसे सप्ताहांत टूर्नामेंट या कुछ और के लिए ले जाता था। एक बार जब वह रेटिंग और ताकत हासिल करने लगा तो हमें विदेश यात्रा करनी पड़ी। हममें से किसी एक को, मुझे या मेरी पत्नी को, टूर्नामेंट के लिए उनके साथ जाने का सचेत निर्णय लेना था और किसी को अभ्यास जारी रखना था।

घायल बच्चे को देख इमोशनल हुए अल्लू अर्जुन

हैदराबाद के संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान मची भगदड़ के मामले में पुलिस ने सख्त एक्शन लेते हुए अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया गया था. इस केस में अल्लू अर्जुन जेल से बाहर तो आ गए हैं, लेकिन अभिनेता की मुसीबतें कम नहीं हो रहीं. अब जानकारी मिली है कि भगदड़ में घायल हुए बच्चे की हालत भी नाजुक है. इन सबके बीच, जेल से बाहर आकर अल्लू अर्जुन ने इस मामले पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया, जो काफी इमोशनल है.दरअसल, अल्लू अर्जुन जेल से रिहा होने के बाद से ही अभिनेता को काफी ट्रोल किया जा रहा था. सवाल उठ रहे थे कि अल्लू अर्जुन ने अब तक पीड़ित परिवार और अस्पताल में भर्ती उस बच्चे से मुलाकात क्यों नहीं की है? अब इस सवाल का जवाब अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर दिया है. अल्लू अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक लंबा चौड़ा नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने बताया, 'मुझे श्री तेज की बहुत चिंता है जो इस दुखद घटना के बाद से गंभीर हालत में हैं। चल रही कानूनी कार्यवाही के कारण, मुझे इस समय उनसे और उनके परिवार से ना मिलने की सलाह नहीं दी गई है। मेरी दुआ उनके साथ हैं और मैं उनके इलाज और पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हूं। मैं बच्चे के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं और मैं जल्द से जल्द उनके परिवार से मिलने वाला हूं।'बता दें कि अल्लू अर्जुन को इस मामले में शुक्रवार को पुलिस ने उनके घर से ही गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्हें तुरंत ही कोर्ट में पेश किया गया.

कीर्ति ने वेडिंग में एंटनी संग किया लिपलॉक

कीर्ति सुरेश साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड एंटनी थाटिल संग शादी की थी. वहीं अब वो दूसरी बार दुल्हन बनी हैं. दरअसल साउथ इंडियन वेडिंग के बाद कीर्ति और सुरेश ने क्रिश्चियन वेडिंग की है. कीर्ति और सुरेश ने अपनी क्रिश्चियन वेडिंग के लिए गोवा के बीच को चुना. जहां दोनों ने अपनी परिवार और खास दोस्तों के बीच दोबारा शादी की. कीर्ति ने क्रिश्चियन वेडिंग की ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं. जिसमें वो और उनके पति एंटनी ऑल व्हाइट लुक में नजर आए.इस क्रिश्चियन वेडिंग में एंटनी ने एक कार में ग्रैंड एंट्री ली. इस दौरान वो डांस करते हुए नजर आए. वहीं कीर्ति अपने पिता का हाथ थामकर अपने दूल्हे एंटनी थाटिल के पास पहुंची. जो इस दौरान काफी इमोशनल नजर आई. कीर्ति और सुरेश वेडिंग के बाद एक-दूजे संग लिपलॉक करते हुए नजर आए. दोनों की इन तस्वीरों पर एक्ट्रेस के फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं. इसके अलावा एक फोटो में ये कपल जमकर पार्टी करता हुआ भी नजर आया. दोनों एक साथ डांस फ्लोर पर थिरकते दिखे.वेडिंग में कीर्ति सुरेश ने हैवी वर्क वाला एक लॉन्ग व्हाइट गाउन पहना था. जिसके साथ उन्होंने सेटल मेकअप और बालों को खुला रखकर अपना लुक कंप्लीट किया. कीर्ति सुरेश और एंटनी थाटिल ने इससे पहले 13 दिसंबर को तमिल रीति-रिवाजों से शादी की थी. दोनों की ये शादी भी गोवा में ही हुई थी.

भतीजे निर्वाण के बर्थडे में स्वैग से पहुंचे सलमान

सोहेल खान के बेटे निर्वाण खान का रविवार को बर्थडे था. ऐसे में खान परिवार ने बीती रात उनके लिए खास बर्थडे पार्टी होस्ट की थी जिसमें चाचा सलमान खान समेत कई हस्तियां शामिल हुईं. निर्वाण के बर्थडे पर एक शानदार पार्टी होस्ट की गई जिसमें सलमान खान, अरबाज खान की एक्स वाइफ मलाइका अरोड़ा, आर्यन खान और इब्राहिम अली खान तक ने शिरकत की.निर्वाण के बर्थडे बैश में सलमान खान डैपर लुक में पहुंचे. ब्लैक शर्ट और ब्लू डेनिम पहने वे स्वैग से पोज देते दिखाई दिए. सलमान टाइट सिक्योरिटी के साथ अपनी गाड़ी में वेन्यू पर पहुंचे. सुरक्षा कारणों के चलते सिर्फ सलमान की गाड़ी को वेन्यू के गेट के अंदर तक आने की इजाजत थी. बाकी सभी सेलेब्स को बाहर ही उतरकर, कुछ दूर पैदल चलकर वेन्यू तक आना पड़ा.मलाइका अरोड़ा भी अपने एक्स हसबैंड अरबाज खान के बर्थडे बैश में शामिल हुईं. व्हाइट कलर के आउटफिट में वे काफी स्टाइलिश दिख रही थीं. सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान भी पार्टी में पहुंचे. व्हाइट टीशर्ट पर ब्लैक लेदर और जीन्स में डैशिंग लुक फ्लॉन्ट करते दिखे. इब्राहिम को आर्यन खान के साथ पोज देते भी देखा गया. ब्लैक जैकेट और जीन्स में आर्यन भी काफी हैंडसम लग रहे थे. सलमान खान के भतीजे की बर्थडे पार्टी में उनके करीबी और नेता जीशान सिद्दीकी भी नजर आए. अदिति राव हैदरी अपने पति सिद्धार्थ के साथ निर्वाण के बर्थडे में शामिल हुईं. ब्लैक आउटफिट में वे बेहद प्यारी दिख रही थीं. फरदीन खान भी इस दौरान खूब जच रहे थे. एक्टर ब्लैक शर्ट के साथ व्हाइट पैंट पहने रेट्रो लुक में नजर आए.

सिर्फ 50 रुपये के लिए भड़के इब्राहिम

सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहते हैं, वहीं वो पैपराज़ी के साथ बातचीत करने से भी पीछे नहीं हटते हैं और उनकी कई वीडियो भी वायरल होती रहती हैं. अब इब्राहिम का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो 50 रुपये को लेकर अपने पापा को फोन करने की बात करते हैं. दरअसल, इब्राहिम अली खान का जो वीडियो सामने आया है, उसमें वो कार की आगे सीट में बैठे नजर आ रहे हैं और इस दौरान उन्हें पैप्स अपने कैमरे में कैद कर रहे हैं. वहीं, इब्राहिम को कुछ लोगों ने घेरा हुआ है, फिर पीछे से आवाज आती है कि पचास रुपये में क्या होगा? इसके बाद इब्राहिम थोड़ा सा गुस्से में आ जाते हैं और कहते हैं कि- ' अरे पचास रुपये में क्या होगा मतलब होना भी तो चाहिए ना, इसके आगे वो कहते हैं कि तुम मेरे पापा को फोन करो.'

फिर वीडियो में आगे देखने को मिलता है कि इब्राहिम अली खान अपने हाथ जोड़ते हैं और जोर से चिल्लाते हैं जय श्री राम, पिर कैमरे के पीछे भी सब कहते हैं कि जय श्री राम. जैसे ही ये वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, तो ये खूब वायरल हो रहा है. वहीं, इब्राहिम अली के करियर की बात करें तो वो जल्द ही फिल्मों में डेब्यू करने जा रहे हैं. खबर है कि वो धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'सरजमीं' पर नजर आ सकते हैं. वहीं इब्राहिम पलक तिवारी संग अपने रिलेशन को लेकर भी चर्चा में रहते हैं.

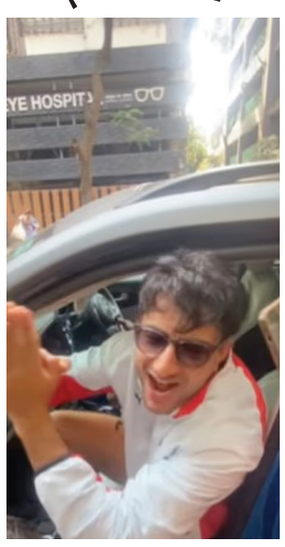

खेसारी से नाराज हैं रवि किशन

भोजपुरी सुपरस्टार रवि किशन सालों से इंडस्ट्री में हैं. एक्टर होने के साथ वो अब राजनेता भी हैं. उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री को ऊंचे मुकाम पर पहुंचाया. लेकिन आज भोजपुरी इंडस्ट्री के कुछ स्टार्स की हरकत देख उन्हें गुस्सा आता है. हाल ही में उन्होंने खेसारी लाल यादव की एक हरकत को लेकर रिएक्शन दिया, जो अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

हाल ही में रवि किशन शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में नजर आए थे. इस दौरान एक्टर ने अपने करियर, पर्सनल लाइफ से लेकर कई बाते की. इस दौरान उन्होंने खेसार लाल की एक हरकत को लेकर रिएक्शन दिया. जब उनसे पूछा गया कि खेसारी की जिम वाली वीडियो देखने के बाद आपका क्या कहना है. तो रवि किशन ने कहा- 'हाय राम! अब क्या ही बोले... हम बोलेंगे तो हम सिनियर हैं.' फिर जब एंकर ने उनसे कहा कि आप बड़े हैं तो उनसे कुछ कहेंगे नहीं, इस पर उन्होंने जवाब दिया- 'हम उन्हें पर्सनली बोलेंगे, हम अंदर से भरे हुए हैं, इन लोग से जवाब तो हम लेंगे ही.'

दरअसल, कुछ दिनों पहले खेसारी लाल ने अपने इंस्टाग्राम पर आकांक्षा पुरी के साथ वर्कआउट करते हुए वीडियो शेयर किया था. वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले खेसारी एक एक्सरसाइज करने के लिए जिम मशीन पर लटक जाते हैं, अचानक आकांक्षा भी उनके साथ लटक जाती हैं. फिर दोनों साथ में कुछ ज्यादा ही क्लोज आ जाते हैं. इस वीडियो में दोनों की फिल्म का गाना 'लटक जईब' बैकग्राउंड में बज रहा है. वीडियो में दोनों की हरकत देख उन्हें काफी ज्यादा ट्रोल किया गया. वहीं, रवि किशन खेसारी की इस वीडियो को लेकर ही बात कर रहे हैं कि वो उनसे अकेले में बात करेंगे.

गाबा टेस्ट बचा पाएगी टीम इंडिया?

भारत पहली पारी में 51/4, ऑस्ट्रेलिया 394 रन से आगे

गाबा.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट का तीसरा दिन बारिश के नाम रहा है। ब्रिस्बेन के द गाबा मैदान पर सोमवार को सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में 33 ओवर ही डाले जा सके। स्टंप्स तक भारत ने पहली पारी में 4 विकेट पर 51 रन बनाए। केएल राहुल 33 रन और कप्तान रोहित शर्मा शून्य पर नाबाद लौटे। टी-ब्रेक से पहले ऋषभ पंत (9 रन) और विराट कोहली (3 रन) पवेलियन लौट गए थे। यशस्वी जायसवाल (4 रन) और शुभमन गिल (1 रन) को मिचेल स्टार्क ने आउट किया था। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 445 रन पर ऑलआउट हो गई थी। टीम ने 40 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए हैं। एलेक्स कैरी 70 रन बनाकर आउट हुए। जसप्रीत बुमराह ने 6 विकेट चटकाए। रविवार को दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ट्रैविस हेड (152 रन) और स्टीव स्मिथ (101 रन) के शतकों के सहारे 405 रन बनाए थे। पहले दिन बारिश के कारण 90 में से 13.2 ओवर ही डाले जा रहे। भारतीय टीम टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी।

मुकाबले का तीसरा दिन बारिश के नाम रहा. बारिश के चलते मुकाबला कई बार बाधित हुआ. हालांकि बारिश के बीच ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का पराक्रम देखने को मिला और उसने भारत को चार तगड़े झटके लगे. अब दो दिन का बाकी है और भारतीय टीम बैकफुट पर दिख रही है. भारत का यहां से मैच तो दूर... फॉलोऑन बचाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी होगी.भारतीय टीम को फॉलोऑन बचाने के लिए अब भी 195 रनों की जरूरत है. भारत के पास अब इस मैच में 16 विकेट (पहली पारी के 6 और दूसरी पारी के 10) बचे हैं. अब इस मुकाबले में 196 ओवर्स फेंके जाने हैं. वैसे गाबा में अगले दो दिन भी बारिश का कहर देखने को मिल सकता है, ऐसे में मैच के ड्रॉ होने की संभावना दिख रही है.

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिस्बेन गाबा के मैदान पर इससे पहले सात टेस्ट खेले गए थे. इस दौरान भारतीय टीम को 5 मुकाबलों में हार मिली और एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा. गाबा में भारतीय टीम को इकलौती टेस्ट जीत जनवरी 2021 में मिली थी. तब उसने अजिंक्य रहाणे की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराया था.

भारतीय टीम की पहली शुरुआत बेहद खराब रही. दूसरी ही गेंद पर उसने यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवा दिया. यशस्वी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंद पर फ्लिक शॉट खेलने की कोशिश में मिशेल मार्श को कैच थमा बैठे. फिर स्टार्क ने अपने अगले ओवर में शुभमन गिल (1 रन) को भी आउट कर दिया. गिल का कैच भी मार्श ने लपका. विराट कोहली से अच्छे खेल की आस थी, लेकिन वह जोश हेजलवुड की गेंद पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों लपके गए. कोहली ने 16 गेंदों का सामना करते हुए 3 रन बनाए. फिर ऋषभ पंत (9) ने भी टीम का साथ छोड़ दिया. पंत पैट कमिंस की गेंद पर विकेटकीपर कैरी को कैच थमा बैठे. पंत के आउट होने के बाद बारिश आ गई, जिसके चलते ज्यादा खेल नहीं हो पाया.

गिलेस्पी ने खोल दी पाकिस्तान की पोल

नई दिल्ली.

पाकिस्तान क्रिकेट में आए दिन किसी ना किसी तरह का विवाद देखने को मिलता है. फिलहाल जेसन गिलेस्पी द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट टीम का साथ छोड़ने का मामला गरमाया हुआ है. अचानक से जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान की टेस्ट टीम के हेड कोच पद से इस्तीफा दे दिया था. हालांकि अब कुछ ऐसी चीजें सामने आई है कि जिसके चलते यह कहा जा सकता है कि जेसन ने कोच के पद से अचानक इस्तीफा नहीं दिया है. उन्होंने जब खुद को अलग थलग महसूस किया तब जाकर बड़ा कदम उठाया.आम तौर पर कोच का टीम के सिलेक्शन में अहम योगदान होता है. कोच चयन समिति के साथ मिलकर टीम चुनता है लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने जेसन से यह अधिकार छीन लिया था. जेसन ने खुलासा किया, 'मुझे एक व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज करके बताया गया कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयन में मुख्य कोच की कोई भूमिका नहीं होगी'. इसके अलावा उन्होंने पीसीबी पर बातचीत के अभाव और मुद्दों को ठीक से स्पष्ट ना करने के आरोप भी लगाए.

हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने असिस्टेंट कोच टिम नीलसन की भी अचानक छुट्टी कर दी थी. उन्हें अगस्त 2024 में ही इस पद पर नियुक्त किया था लेकिन जल्द ही उन्हें हटा दिया गया. टिम नीलसन को अचानक बाहर किए जाने पर जेसन ने कहा, 'मेरे वरिष्ठ सहायक कोच टिम नीलसन को बताया गया था कि अब उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है और इस बारे में मेरी किसी से भी कोई बातचीत नहीं हुई है. मैंने पिछले कुछ महीनों में हुई कई अन्य चीजों के बाद ही सोचा था, यही वो पल था जब मैंने सोचा था खैर, मैं वास्तव में निश्चित नहीं हूं कि वे चाहते थे कि मैं यह काम करूं'.

गिलेस्पी ने पाकिस्तान के स्टार क्रिकेटर बाबर आजम को लेकर भी एक बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने बताया कि जब बाबर आजम को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ड्रॉप कर दिया गया था तो इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं थी. जेसन के मुताबिक़ यह फैसला नई चयन समिति ने किया था.

शतरंज मेरा पहला प्यार...

डी गुकेश ने दिया सफलता का मंत्र

नई दिल्ली.

सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन बने 18 साल के भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को 11.45 करोड़ रुपए की इनामी राशि मिली है। लेकिन युवा भारतीय खिलाड़ी का कहना है कि वे पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलते हैं, बल्कि हर पल इस खेल का आनंद उठाते हैं। गुकेश ने कहा, शतरंज मेरा पहला प्यार है और चेस बोर्ड बचपन से मेरा पसंदीदा खिलौना रहा है। इसलिए मैं पैसे के बारे में नहीं बल्कि इस खेल में खुद को श्रेष्ठ साबित करने के बारे में सोचता हूं। गौरतलब है कि गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व शतरंज चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया है।

गुकेश के इस सफर में उनके माता-पिता का अहम योगदान रहा है। पिता रजनीकांत ने अपने बेटे को चैंपियन बनाने के लिए अपना सफल करियर छोड़ दिया। रजनीकांत पेशे से एक ईएनटी सर्जन हैं। वहीं गुकेश की मां पद्मकुमारी माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं। रजनीकांत ज्यादातर गुकेश के साथ टूर पर रहते हैं। ऐसे में घर का सारा भार पद्मकुमारी पर ही रहता है। विश्व चैंपियनशिप में करोड़ों रुपए की इनामी राशि मिलने के बाद जब गुकेश से पूछा गया कि उनके लिए करोड़पति बनने के क्या मायने हैं तो उन्होंने कहा, यह बहुत मायने रखता है। गुकेश ने बताया, जब मैं शतरंज में आया तो हमें एक परिवार के रूप में कुछ बड़े और मुश्किल फैसले लेने पड़े। मेरे माता-पिता वित्तीय और भावनात्मक कठिनाइयों से गुजरे हैं। अब, हम अधिक सहज हैं और मेरे माता-पिता को उन चीजों के बारे में सोचने की जरूरत नहीं है।

गुकेश ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मैं पैसे के लिए शतरंज नहीं खेलता। मैं हमेशा याद रखता हूं कि मुझे पहला चेस बोर्ड कैसे मिला था। मैं अब भी वही बच्चा हूं जिसे शतरंज पसंद है। यह सबसे अच्छा खिलौना हुआ करता था। गुकेश के पिता ही उनके मैनेजर हैं और उनकी सभी ऑफ-बोर्ड गतिविधियों का ध्यान रखते हैं।मां मेरी ताकत गुकेश ने कहा, मां मेरी ताकत बनकर खड़ी रहती हैं। वे हमेशा यही कहती हैं कि मुझे यह जानकर खुशी होगी कि तुम एक महान शतरंज खिलाड़ी हो, लेकिन मुझे यह सुनकर अधिक खुशी होगी कि तुम एक महान व्यक्ति हो। गुकेश हमेशा कुछ नया सीखने के लिए प्रयासरत रहते हैं। गुकेश ने कहा, मैं जब भी मैं शतरंज बोर्ड पर होता हूं तो मुझे लगता है कि मैं कुछ नया सीख रहा हूं। यह असीमित सुंदरता की प्रक्रिया है।

बांग्लादेश ने वेस्ट इंडीज को 7 रनों से दी शिकस्त

सेंट विंसेंट.

वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच वनडे सीरीज के बाद तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज हो गया है। सीरीज का पहला मुकाबला सेंट विंसेंट के अर्नोस वाले ग्राउंड पर खेला गया। इस लो स्कोरिंग सांस रोक देने वाले मुकाबले में बांग्लादेशी टीम ने 7 रन से रोमांचक जीत दर्ज की है। इस मैच में मेजबान वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 147 रन ही स्कोर बोर्ड पर टांग सकी। इसके जवाब में विंडीज की टीम एक गेंद शेष रहते 140 रन पर ढेर हो गई और इस तरह बांग्लादेश ने ये मुकाबला जीतकर सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से सौम्य सरकार ने 32 गेंदों पर 43 रन तो शमीम हुसैन ने 13 गेंदों पर 27 रनों की पारी खेली। वहीं, विंडीज की ओर से अकील हुसैन ने 4 ओवर में 13 रन देकर 2 विकेट लिए और ओबेड मैक्कॉय ने 4 ओवर में 30 रन देकर 2 विकेट चटकाए। बांग्लादेश के 148 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 19.5 ओवर में 140 रन पर ऑलआउट हो गई। विंडीज की ओर से रोवमन पॉवेल ने 35 गेंदों पर 60 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 17 गेंदों पर 22 रन की पारी खेली। वहीं, बांग्लादेश की ओर से मेहदी हसन 4 ओवर में 13 रन देकर 4 विकेट चटकाए तो हसन महमूद 3.5 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। अंतिम ओवर में मेजबान वेस्टइंडीज को जीत के लिए 10 रन की दरकार थी और सिर्फ दो विकेट हाथ में थे। हसन मेहमूद आखिरी ओवर लेकर आए। उनकी पहली गेंद पर अल्जारी जोसेफ ने पॉवेल को स्ट्राइक दे दी। मेहमूद ने दूसरी गेंद वाइड यार्कर फेंककर खाली निकाल दी।

वायरमैन की बेटी बनी करोड़पति

नई दिल्ली.

आईपीएल के बाद विमेंस प्रीमियर लीग2025 के लिए रविवार 15 दिसंबर को ऑक्शन हुआ. इस दौरान गुजरात जायंट्स ने 22 साल की ऑलराउंडर सिमरन शेख के लिए 1.90 करोड़ रुपये की बोली लगाई और उन्हें इस सीजन का सबसे महंगा खिलाड़ी बना दिया. बता दें इस बार उनकी बेस प्राइस महज 10 लाख रुपये थी. लेकिन आपको पता कैसे उन्होंने धारावी की झुग्गियों से निकलकर करोड़पति बनने का सफर तय किया? आइये जानते हैं. सिमरन शेख के लिए विमेंस प्रीमियर लीग का पिछला सीजन बेहद खराब रहा था. उनके लिए किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई थी और वह अनसोल्ड रही थीं. इसके बाद यूपी वॉरियर्स की टीम में उन्हें जगह तो मिली लेकिन पूरे सीजन डग आउट में बैठकर बिताना पड़ा था. फिर उन्होंने घरेलू सीजन में वापसी की और मुंबई के लिए रनों का अंबार लगा दिया, जिसका फल ऑक्शन में देखने को मिला. सिमरन एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी धारावी में पली बढ़ी हैं.

उनके पिता एक वायरमैन हैं. वहां निकलकर उन्होंने करोड़पति बनने का सफर तय किया है. जब गुजरात ने उनके लिए 1.9 करोड़ रुपये की बोली लगाई तो उनके पिता काफी खुश हुए. शुरू में वह लड़कों के साथ इस खेल को सीखती थीं, इसलिए उनके पड़ोसी सिमरन को खेलने से रोकने के लिए पिता को उकसाते थे. उनसे घर का काम सीखने के लिए कहते थे. हालांकि, सिमरन के पिता ने कभी खेलने पर रोक नहीं लगाई. जब विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन खत्म हुआ तो वही लोग उनके पिता को बधाई देने के लिए आए. विमेंस प्रीमियर लीग के ऑक्शन के बाद सिमरन शेख काफी भावुक नजर आईं.

उन्होंने बताया कि ऑक्शन से एक रात पहले वो बस किसी भी टीम की ओर से खरीद लिए जाने की उम्मीद कर रही थीं. लेकिन जब से गुजरात जायंट्स ने उन्हें खरीदा फोन कॉल्स की लाइन लग गई है. सिमरन ने खुलासा किया ऐसा भी वक्त था जब उनके पास क्रिकेट की बेसिक किट खरीदने के लिए भी पैसे नहीं थे. लेकिन क्रिकेट की वजह से आज उन्हें इतने पैसे मिले हैं. काशवी गौतम के बाद गुजरात की टीम में वो दूसरी सबसे ज्यादा महंगी खिलाड़ी हैं. काशवी को गुजरात ने पिछले सीजन में 2 करोड़ में खरीदा था.

वेस्टइंडीज के खिलाफ ये खिलाडी कर सकता है टी-20 में डेब्यू

नई दिल्ली.

बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए तेज गेंदबाज नाहिद राणा को टीम में शामिल किया है। 22 वर्षीय तेज गेंदबाज ने छह टेस्ट मैचों और तीन वनडे मैचों में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन अभी तक टी-20 में पदार्पण नहीं किया है। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे का हिस्सा थे और केवल दो विकेट ही ले पाए थे।बांग्लादेश की टीम फिलहाल सेंट विंसेंट में है और सोमवार को किंग्सटाउन के अर्नोस वेल ग्राउंड में खेले जाने वाले सीरीज के पहले मैच की तैयारी कर रही है। सीरीज का दूसरा और तीसरा टी-20 मैच भी इसी मैदान पर क्रमशः 18 और 20 दिसंबर को खेला जाएगा।

बांग्लादेश के टी-20 कप्तान लिटन दास ने वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप झेलने के बाद टी20 सीरीज के लिए टीम की तैयारियों पर भरोसा जताया। बांग्लादेश वापसी के लिए उत्सुक है और इस साल की शुरुआत में इसी मैदान पर अपनी सफलता से प्रेरणा ले सकता है, जहां उसने टी-20 विश्व कप के दौरान नेपाल और नीदरलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी।

मैच की पूर्व संध्या पर बारिश के कारण अभ्यास सत्र में व्यवधान पड़ने के बावजूद नजमुल हुसैन की अनुपस्थिति में कप्तान के रूप में कार्यभार संभाल रहे लिटन ने सीरीज के लिए टीम की तैयारियों के बारे में किसी तरह की कमी से इनकार किया।

लिटन ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक वीडियो संदेश के जरिए कहा, उनकी टीम में कोई कमी नहीं है, क्योंकि कल हमने लाइट में क्षेत्ररक्षण का भी अभ्यास किया। इस टीम के अधिकांश खिलाड़ी वनडे और टेस्ट दोनों खेल चुके हैं, इसलिए वे इस खेले को अच्छी तरह समझते हैं।

लिटन ने स्वीकार किया कि वेस्टइंडीज एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी है। विशेषकर टी-20 प्रारूप में और खासकर जब घरेलू सरजमीं पर वे खेल रहे हो। उन्होंने कहा, आमतौर पर टी-20 मैच हमारे लिए चुनौतीपूर्ण होते हैं। चूंकि यह मैच वेस्टइंडीज के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा, इसलिए यह थोड़ा कठिन होगा। हम इस पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करेंगे और एक अच्छी सीरीज खेलने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

बुमराह पर ईशा गुहा ने किया था आपत्तिजनक कमेंट

- ऑन एयर मांगी माफी

नई दिल्ली. पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर और कमेंटेटर ईशा गुहा ने सार्वजनिक तौर पर भारतीय स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह से 'प्राइमेट' शब्द कहने के लिए माफी मांगी है। ईशा गुहा भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया गाबा टेस्ट के दौरान बुमराह की शानदार गेंदबाजी को लेकर 15 दिसंबर का चर्चा कर रही थीं। बुमराह के पांच विकेट हॉल को लेकर ईशा ने बुमराह को एमवीपी यानी 'मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट' कह दिया। गुहा ने उस दौरान यह भी कहा कि बुमराह को दूसरे छोर से कुछ सपोर्ट मिलने की जरूरत है।

गुहा ने कहा कि एमवीपी मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट वह टीम इंडिया के लिए काफी कुछ करने वाले तेज गेंदबाज हैं। गाबा टेस्ट की तैयारियों के लिए बुमराह पर इतना ध्यान क्यों दिया जा रहा है? क्या वह आगे फिट रह पाएंगे?। उन्हें दूसरे छोर भी कुछ सपोर्ट की जरूरत है। ईशा की ओर से 'प्राइमेट' शब्द का इस्तेमाल किया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फैंस ने इस शब्द का बुमराह के लिए इस्तेमाल किए जाने पर ईशा गुहा की जमकर आलोचना की। इसके बाद ईशा को गाबा टेस्ट के तीसरे दिन आज सोमवार को फॉक्स क्रिकेट पर ऑन-एयर अपने बयान पर माफी मांगनी पड़ी।

ईशा गुहा ने कहा कि वह जसप्रीत बुमराह की तारीफ करना चाहती थीं, लेकिन उन्होंने गलत शब्द का इस्तेमाल किया।

फैंस समझेंगे कि उनकी बुमराह को लेकर की गई टिप्पणी में कोई दुर्भावना नहीं है। मैंने कल कमेंट्री में एक शब्द का इस्तेमाल किया, जिसके कई अलग-अलग मायने हैं। मैं ऐसे किसी भी अपराध के लिए माफी मांगती हूं।

ईशा ने कहा कि अगर आप मेरी पूरी कॉपी सुनेंगे तो समझेंगे कि मेरा कहने का मतलब भारत के महान खिलाड़ियों में से एक की तारीफ से था। जसप्रीत बुमराह ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनकी मैं बहुत प्रशंसा करती हूं। मैं समानता में विश्वास करती हूं।

कोई भी ऐसा व्यक्ति जिसने अपना करियर क्रिकेट को जीने और उसे समझने में बिताया है, मैं उनका सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा आगे कहा कि मेरा प्रयास बुमराह की उपलब्धियों को बताने का था, लेकिन मैंने गलत शब्द का चुनाव किया। इसके लिए मैं गहरा खेद व्यक्त करती हूं। उम्मीद है कि फैंस समझेंगे कि वहां मेरा कोई दुर्भावना का इरादा नहीं था। उम्मीद है कि ये टेस्ट में विवाद का माध्यम नहीं बनेगा। भारतीय टीम के पूर्व कोच और दिग्गज खिलाड़ी रवि शास्त्री ने ईशा गुहा के माफी मांगने की बहादुरी की तारीफ की है

मध्य प्रदेश को हराकर जीता अपना दूसरा खिताब

पुणे.

सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2024 के फाइनल मुकाबले में मुंबई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रविवार को खेला गया।आपको बता दें कि मुंबई की टीम ने यह दूसरी बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले साल 2022 में मुंबई ने फाइनल में मैच में हिमाचल प्रदेश को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था।मध्य प्रदेश बनाम मुंबई फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर मुंबई ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और मध्य प्रदेश को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 54 रन के स्कोर तक अपने चार प्रमुख बल्लेबाजों को खो दिया।ऐसे मुश्किल हालात में कप्तान रजत पाटीदार ने एक बार फिर अपनी कप्तानी पारी खेली। उन्होंने 40 गेंदों में नाबाद 81* रन बनाए, जिसमें 6 छक्के और 6 चौके शामिल थे। उनकी दमदार पारी की बदौलत मध्य प्रदेश ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 174 रनों का स्कोर खड़ा किया।रजत पाटीदार ने सिर्फ 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 202.50 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पाटीदार 186.08 की स्ट्राइक रेट से 428 रन के साथ, पाटीदार टूर्नामेंट में अजिंक्य रहाणे के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मध्य प्रदेश के लिए अन्य बल्लेबाजों में शुभ्रांशु सेनापति ने 23 रन, हरप्रीत सिंह भाटिया ने 15 रन, वेंकटेश अय्यर ने 17 रन, और राहुल बॉथम ने 19 रन का योगदान दिया।

हालांकि, इनमें से कोई भी बल्लेबाज लंबे समय तक टिककर टीम के स्कोर को बड़ा बनाने में सफल नहीं हो पाया। मुंबई के गेंदबाजों ने फाइनल में टीम की जीत की नींव रखी। शार्दुल ठाकुर और रेस्टन डियास ने 2-2 विकेट चटकाए, जबकि अथर्व अंकोलकर, शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे ने 1-1 विकेट हासिल किया।175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई की शुरुआत भी संतुलित रही। अजिंक्य रहाणे 37 रन और सूर्यकुमार यादव ने 48 रनों की शानदार पारियां खेलीं और टीम को मजबूत आधार दिया। सूर्यकुमार यादव ने अपने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 4 चौके और 3 छक्के लगाए।

मस्जिद में लगे जय श्रीराम के नारे से सुको नाराज

> मांगा कर्नाटक सरकार से जवाब

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक सरकार से पूछा है कि क्या किसी मस्जिद में जयश्री राम का नारा लगाना अपराध है। इसके साथ ही अदालत ने पूछा कि एक मस्जिद में कथित तौर पर नारेबाजी करने वाले आरोपियों की पहचान कैसे की गई ? जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने यह भी पूछा है कि क्या आरोपियों की पहचान तय करने से पहले सीसीटीवी फुटेज या किसी अन्य तरह के साक्ष्य की जांच की गई थी।

शीर्ष अदालत कर्नाटक हाई कोर्ट के एक फैसले को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कहा गया था कि मस्जिद के अंदर जय श्रीराम का नारा लगाना धार्मिक भवनाओं को ठेस पहुंचाने

जैसा अपराध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने ये सवाल अपीलकर्ता के वकील से पूछे और निर्देश दिया कि राज्य सरकार को भी शिकायत की एक प्रति दें। इस मामले में राज्य सरकार ने अभी तक हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की है।

दरअसल, हाई कोर्ट ने 13 सितंबर को उन दो शख्स के खिलाफ कर्नाटक पुलिस द्वारा शुरू की गई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया था, जिन पर एक मस्जिद में घुसकर जय श्रीराम का नारा लगाने और दूसरों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और अपमानित करने के आरोप थे। इस मामले में दक्षिण कन्नड़ जिले की पुलिस ने दो युवकों को पिछले साल एक स्थानीय मस्जिद में नारेबाजी करने के आरोप में नामजद किया था। इन दोनों पर मस्जिद में घुसकर जय श्रीराम का नारा लगाने और लोगों को धमकी देने के आरोप थे। कथित तौर पर दोनों आरोपियों ने मुस्लिमों को धमकी दी थी कि वे उन लोगों को शांति से रहने नहीं देंगे।

इसके बाद स्थानीय पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से की गई हरकतें), 447 (अतिचार) और 506 (आपराधिक धमकी) सहित कई प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, बाद में दोनों शख्स ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग करते हुए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इस साल 13 सितंबर को हाई कोर्ट की जस्टिस एम नागप्रसन्ना की पीठ ने उन्हें राहत देते हुए मामला रद्द कर दिया था।

हाई कोर्ट ने मामले को लेकर संकीर्ण दृष्टिकोण अपनाया

दोनों आरोपियों को राहत देते हुए तब हाई कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में कथित हरकत का सार्वजनिक जीवन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। इसके बाद मामले में शिकायतकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और तर्क दिया कि हाई कोर्ट ने मामले को लेकर बहुत ही संकीर्ण दृष्टिकोण अपनाया है, तथा उसका दृष्टिकोण आपराधिक मामलों को रद्द करने की याचिकाओं से निपटने के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के विरुद्ध है।

नेहरू से जुड़े पेपर लौटाएं सोनिया गांधी

> पीएम म्यूजियम की राहुल गांधी को चिट्ठी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) सोसाइटी के सदस्य रिज़वान कादरी ने राहुल गांधी को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा है कि जवाहर लाल नेहरू से जुड़े दस्तावेजों के '51 डिब्बे' लौटाए जाएं. कादरी ने उन महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट्स की वापसी में राहुल गांधी की मदद मांगी है, जो जवाहरलाल नेहरू से जुड़े हैं और 'सोनिया गांधी के पास रखे हुए' हैं।

कादरी का आरोप है कि यूपीए के शासनकाल में 2008 में 51 डिब्बों में भर कर नेहरु के व्यक्तिगत पत्र सोनिया गांधी के पास पहुंचाए गए थे। नेहरु ने ये पत्र एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायडू, विजया लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद बल्लभ पंत आदि को लिखे थे. पीएमएमएल के सदस्य रिज़वान कादरी ने दस दिसंबर को राहुल गांधी को पत्र लिखा था. इससे पहले उन्होंने सितंबर में सोनिया गांधी को भी पत्र लिखा था।

पीएमएमएल का मानना है कि ये ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेज हैं और इन तक पहुंच आवश्यक है। ये पत्र जवाहरलाल नेहरु मेमोरियल ने 1971 में नेहरु मेमोरियल म्यूज़ियम एंड लाइब्रेरी (अब पीएमएमएल) को दिए थे। अब राहुल गांधी से कहा गया है कि या तो सोनिया गांधी से ओरिजनल पत्र दिलवाएं या फिर इनकी फोटोकॉपी या डिजिटल कॉपी दिलवाई जाए। पत्र में कहा गया है, 'हम समझते हैं कि ये दस्तावेज 'नेहरू परिवार' के लिए व्यक्तिगत महत्व रखते होंगे. हालांकि, पीएमएमएल का मानना है कि इन ऐतिहासिक सामग्रियों को अधिक व्यापक रूप से सुलभ बनाने से विद्वानों और शोधकर्ताओं को बहुत लाभ होगा।'

कांग्रेस के ईवीएम विरोध की बैट्री डाउन

> उमर अब्दुल्ला के बाद ममता की पार्टी ने भी सुना डाला

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से मतदान कराने के खिलाफ अभियान खड़ा करने की कोशिश में जुटी कांग्रेस को साथियों से ही झटका हाथ लगा है। उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस की ओर से ईवीएम पर आपत्तियों को खारिज कर दिया था और अब ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने भी सवाल उठाया है। ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी का कहना है कि ईवीएम पर सवाल उठाने से कोई फायदा नहीं है। यदि किसी के पास कोई सबूत है तो फिर उन्हें चुनाव आयोग को सौंपना चाहिए। वहां डेमो पेश करके बताना चाहिए कि आखिर ईवीएम में उन्होंने क्या गड़बड़ियां पकड़ ली हैं। अभिषेक बनर्जी ने कहा, 'मेरी राय है कि जो लोग ईवीएम पर सवाल उठा रहे हैं। उन्हें चुनाव आयोग के पास जाना चाहिए और उन्हें बताएं कि आखिर ईवीएम में उन्हें क्या खामी मिली है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि इलेक्शन कमिशन को डेमो दिखानी चाहिए कि हमारे पास यह वीडियो है। हाल ही में तो चुनाव आयोग ने ऐसे लोगों को बुलाया था, जिनकी कुछ शिकायत है। बूथ पर जो काम करता है, वह यदि मॉक पोल के टाइम चेक करे और फिर काउंटिंग के समय चेक करेंगे तो कोई गड़बड़ी नहीं होगी। फिर भी किसी को लगता है कि ईवीएम हैक हो सकती है या खेल किया जा सकता है तो फिर चुनाव आयोग को दिखाएं कि कैसे मशीनों में गड़बड़ी हो सकती है।'

टीएमसी के सांसद ने सदन के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यदि फिर भी किसी को लगता है तो वह जमीन पर उतरे और आंदोलन करे। ऐसे दो या तीन बयान जारी करने से तो कुछ नहीं होता है। कोई भी आंदोलन जमीन पर करना होगा। बता दें कि उमर अब्दुल्ला ने भी कहा था कि जब इसी ईवीएम के इस्तेमाल से (हुए

टिप्पणी पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की

कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने कहा था कि आप मुख्यमंत्री बनने के बाद कैसे बदल गए हैं। लोकसभा में पार्टी के सचेतक टैगोर ने यह सवाल भी किया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उमर का अपने सहयोगी दलों के प्रति ऐसा रवैया क्यों है? टैगोर ने अब्दुल्ला के इंटरव्यू का वीडियो सोशल मीडिया मंच पर रिपोस्ट करते हुए कहा, 'यह समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और शिवसेना (उबाठा) हैं जिन्होंने ईवीएम के खिलाफ बात की है।

चुनाव के बाद) संसद में आपके सौ से अधिक सदस्य पहुंच जाते हैं और आप इसे अपनी पार्टी के लिए जीत का जश्न मनाते हैं, तो आप कुछ महीने बाद पलटकर यह नहीं कह सकते कि... हमें ये ईवीएम पसंद नहीं हैं क्योंकि अब चुनाव के परिणाम उस तरह नहीं आ रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।

पाकिस्तान में पोलियो रोधी अभियान के दौरान हिंसा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सोमवार को अलग-अलग घटनाओं में एक पोलियो कर्मी और एक पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। देश में सोमवार से कड़ी सुरक्षा के बीच हफ्ते भर चलने वाला पोलियो उन्मूलन अभियान शुरू हुआ। अभियान के पहले ही दिन अज्ञात हमलावरों ने बन्नू जिले में एक पोलियो कर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी। काला खेल मस्ती खान में इस घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर भाग गए। पुलिस ने बताया कि पोलियो कर्मी अपनी ड्यूटी पर जा रहा था, तभी उस पर हमला हुआ। करक जिले में एक अलग घटना में पोलियो कर्मियों की टीम की सुरक्षा में तैनात कांस्टेबल इश्तियाक अहमद की हत्या हुई। अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों की ओर से की गई गोलीबारी में उनकी मौत हो गई। खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी और मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने प्रांत में पोलियो टीमों पर हमलों की निंदा की। पाकिस्तान में सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच हफ्ते भर चलने वाला पोलियो उन्मूलन अभियान शुरू किया गया, ताकि अपंग कर देने वाली इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई सुनिश्चित की जा सके।

नई दिल्ली-कोलंबो के बीच सहयोग को बढ़ावा

पीएम मोदी से मिले श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके

नई दिल्ली।

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का भारत की उनकी राजकीय यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके का स्वागत किया।

राष्ट्रपति दिसनायके ने संयुक्त रक्षा सेवाओं द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने अपने-अपने मंत्रियों, राजनयिकों और अधिकारियों से एक-दूसरे का परिचय कराया।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति 15 दिसंबर से 17 दिसंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। इसी साल के सितंबर में श्रीलंका के राष्ट्रपति पदभार संभालने के बाद दिसनायके की यह पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। इससे पहले रविवार को दिल्ली में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का स्वागत किया। अपने आगमन के बाद, राष्ट्रपति दिसनायके ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसनायके ने कहा, "भारत की मेरी आधिकारिक यात्रा के दौरान मुझे भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सार्थक चर्चा में शामिल होने का सौभाग्य मिला। इस दौरान भारत-श्रीलंका आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, निवेश के अवसरों

को बढ़ाने, क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने और पर्यटन और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर हमारी बातचीत केंद्रित रही।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के साथ अपनी मुलाकात के दौरान भारत की पड़ोसी प्रथम नीति और सागर आउटलुक में द्वीप राष्ट्र की प्रमुख भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने आगे विश्वास जताया कि राष्ट्रपति दिसनायके की आज प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत से नई दिल्ली और कोलंबो के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

इससे पहले अक्टूबर में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके से मुलाकात की थी। दोनों नेताओं ने भारत और श्रीलंका के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए सहयोग को गहरा करने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

2025 से भारतीय के लिए रूस में वीजा फ्री एंट्री!

नई दिल्ली। भारत और रूस के बीच दोस्ताना संबंध आज पूरी दुनिया में चर्चा का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अक्सर दोनों देशों के रिश्तों को पहले से बेहतर और मजबूत बनाने को लेकर चर्चा होती रहती है. अब रूस एक बार फिर दोस्ताना संबंध की मिसाल प्रस्तुत करते हुए भारतीयों को बड़ा तोहफा देने वाला है। साल 2025 में भारतीय रूस की वीज़ा-मुक्त यात्रा कर सकेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस के नए वीजा नियम लागू होने के बाद भारतीय बिना वीजा के रूस जा सकते हैं। इससे पहले जून में कई, रिपोर्ट सामने आई थीं कि रूस और भारत ने एक-दूसरे के लिए वीज़ा प्रतिबंधों को कम करने के लिए द्विपक्षीय समझौते पर चर्चा की है। बता दें कि भारतीय अगस्त 2023 से रूस की यात्रा करने के लिए ई-वीजा के लिए एलिजबल हैं। हालांकि ई वीजा जारी होने में लगभग चार दिन लगते हैं। पिछले साल जारी किए गए ई-वीजा की संख्या के मामले में भी भारत ने शीर्ष पांच देशों में अपनी जगह बनाई. रूस ने भारतीय यात्रियों को 9,500 ई-वीजा दिए हैं।

उत्तर और मध्य भारत में कोल्ड अलर्ट

नई दिल्ली।

उत्तर भारत सहित देश के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। इस बीच मौसम विभाग ने राजस्थान, हरियाणा, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहारी और दिल्ली एनसीआर में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। आइएमडी के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में अगले दो दिन तक शीत लहर चलने की उम्मीद है। राजस्थान में शीत लहर को लेकर यलो अलर्ट जारी किया है।

16 दिसंबर (सोमवार) को दिल्ली, हरियाणा-चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और पंजाब के कुछ

इलाकों में रात/सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। 17 दिसंबर को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा-चंडीगढ़ के कुछ इलाकों में रात/सुबह के समय ऐसी ही स्थिति रहेगी। बिहार में 17 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग ने दक्षिण भारत में तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के अलग-अलग स्थानों पर 17 और 18 दिसंबर को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसी तरह केरल में 18 व 19 दिसंबर को भारी बारिश की भविष्यवणी है।

घाटी में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने से कश्मीर में शीतलहर से थोड़ी राहत मिली है। हालांकि यह हिमांक बिंदु से नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने बताया कि ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

फ्रांस में चक्रवात ने मचाई तबाही, 1000 लोगों के मारे जाने की आशंका

पेरिस। फ्रांस के मायोट क्षेत्र में चक्रवात 'चिडो' के कारण सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। कई इलाकों पर तबाही का ऐसा मंजर पसरा हुआ है, मानो परमाणु हमले के बाद की तबाही हो। स्थानीय लोगों का हाल इतना बुरा है कि कई दिनों से पीने को पानी नहीं है, खाने को भोजन नहीं और कइयों के तो घर तूफान में उड़ गए। अधिकारियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या हजारों में भी जा सकती है। चक्रवात चिडो के कारण मायोट इलाके में 225 किमी/घंटा (140 मील प्रति घंटे) से अधिक की गति से हवाएं चलीं। इससे वे क्षेत्र नष्ट हो गए जहां बेसहारा लोग टिन की छत वाली झुग्गियों में रह रहे थे। इलाके के एक स्थानीय ममूदज़ौ ने बीबीसी से बातचीत में कहा, "हमें तीन दिनों से पानी नहीं मिला है।" एक अन्य ने कहा, "मेरे कुछ पड़ोसी भूखे और प्यासे हैं।" बचावकर्मी मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। बचाव कर्मियों का कहना है कि इलाके में तबाही इतनी ज्यादा है कि मलबे से शवों को निकालने में ही कई दिन लग सकते हैं।

यह वंदे भारत करेगी कमाल

> 13 घंटों में पार कर लेगी दिल्ली से श्रीनगर तक की दूरी

नई दिल्ली।

देश की सबसे लोकप्रिय ट्रेन वंदे भारत को लेकर यात्री काफी उस्ताहित रहते हैं। ज्यादातर यात्रियों की ख्वाहिश होती है कि वंदे भारत ट्रेन उनके शहर से होकर गुजरे ताकि उन्हें इस ट्रेन से यात्रा करना मुनासिब हो सके। यात्रियों की इन्हीं इच्छाओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा अलग-अलग रूटों पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाया जा रहा है। अब रेलवे ने एक और अनोखे रूट पर वंदे भारत की स्लीपर कोच को चलाने का फैसला लिया है।

भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। लंबे समय से प्रतीक्षित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना का काम पूरा कर लिया गया है। इससे कश्मीर घाटी को रेल मार्ग से शेष भारत से जोड़ने का सपना साकार होने जा रहा है। इस सफलता के साथ, दिल्ली से श्रीनगर के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने का रास्ता साफ हो गया है।

यूएसबीआरएल परियोजना को वर्ष 1994-95 में मंजूरी दी गई थी। यह परियोजना 383 किमी लंबी है और इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया है। इसके तहत कश्मीर घाटी को जम्मू रेलवे स्टेशन और देश के अन्य हिस्सों से जोड़ा जाएगा।

परियोजना के काम में कई बुनियादी ढांचागत चुनौतियों के कारण देरी हुई। हाल ही में, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यूएसबीआरएल परियोजना के पूरा होने की घोषणा की।

यूसीसी की तैयारी में जुटी सरकार

> लड़कियों की विवाह आयु पर भी बन रहा ये प्लान

नई दिल्ली।

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) एक बार फिर चर्चा में है। स्वयं पीएम नरेन्द्र मोदी ने संविधान पर चर्चा के दौरान सेकुलर सिविल कोड के संवैधानिक महत्व की बात कही है। भाजपा के घोषणा-पत्र में भी समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा शामिल है। ऐसे में प्रधानमंत्री ने चुनाव के बाद दूसरे संसद सत्र में इसकी महत्ता की बात कहकर संकेत दिया है कि सरकार समान नागरिक संहिता लाने की तैयारी में जुटी है। लड़कियों की विवाह की आयु बढ़ाने का लैप्स हो चुका बिल भी इसी में समाहित होने का अनुमान है।

संविधान का अनुच्छेद-44 पूरे देश के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की बात करता है। इसमें कहा गया है कि भारत के सभी नागरिकों

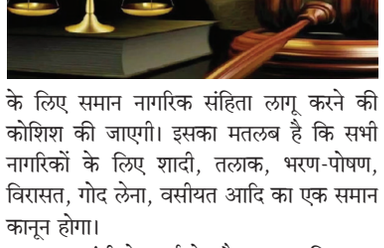

के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने की कोशिश की जाएगी। इसका मतलब है कि सभी नागरिकों के लिए शादी, तलाक, भरण-पोषण, विरासत, गोद लेना, वसीयत आदि का एक समान कानून होगा।

प्रधानमंत्री ने चर्चा के दौरान कहा कि बाबा साहब आंबेडकर ने धार्मिक आधार पर बने पर्सनल ला को खत्म करने की वकालत की थी। संविधान

गोवा में लागू है यूसीसी

अभी अलग-अलग धर्मों के पर्सनल लॉ हैं और उन्हीं के मुताबिक उन धर्मों में शादी, तलाक, भरण-पोषण, विरासत, वसीयत और गोद लेने आदि के नियम लागू होते हैं। अभी देश में एक मात्र गोवा है जहां समान नागरिक संहिता लागू है।

गैरकानूनी और दंडनीय घोषित करने का कानून भी सरकार लाई। इसके बाद सरकार लड़कियों की विवाह की न्यूनतम आयु लड़कों के बराबर 21 वर्ष करने का क्रांतिकारी प्रस्तावित कानून एवं बाल विवाह निषेध विधेयक- 2021 लाई थी, लेकिन 17वीं लोकसभा का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही यह विधेयक लैप्स हो गया।